प्रथम न्यूज
PRATHAM NEWS
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
Website: www.prathamnews.in
email:- dainikprathamnews@gmail.com
Pratham News
@dainikprathamnews
जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 147 | दिनांक : शुक्रवार, 29 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्कः | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No | PUNHIN/2010/36540

सुविचार

रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत विश्वास और सम्मान है, इन्हें हमेशा दिल से निभाना चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी अगर ऑक्शन में उतरे तो टूटेंगे सभी रिकॉर्ड! वीरेंद्र सहवाग ने बताया कितने करोड़...

» पृष्ठ 7 पर

बीजेपी का बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

चार राज्यों में नए कप्तानों की घोषणा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

28 मई (एएम नाथ)

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। बीजेपी ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और त्रिपुरा में अपने प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। बदलाव के तहत दिल्ली की कमान पूर्वी दिल्ली से सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा को सौंपी गई है।

पंजाब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की कमान केवल सिंह ढिल्लों, दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की कमान हर्ष मल्होत्रा, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष की कमान अर्चना गुप्ता और त्रिपुरा प्रदेश अध्यक्ष की कमान अभिषेक देबरॉय को सौंपी है।

हर्ष मल्होत्रा केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी शामिल हैं और उनके पास सड़क परिवहन मंत्रालय में राज्यमंत्री की जिम्मेदारी है। हर्ष मल्होत्रा को अब भाजपा दिल्ली प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

अर्चना गुप्ता को मिली हरियाणा की जिम्मेदारी

लंबे समय से चल रही अटकलों को विराम देते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने डा. अर्चना गुप्ता को हरियाणा भाजपा का नया अध्यक्ष बनाया है। निवर्तमान अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के स्थान पर डा. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अर्चना गुप्ता अभी तक मोहन लाल बडौली की टीम में प्रदेश महामंत्री के रूप में काम कर रही थी। हरियाणा भाजपा के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी महिला को प्रदेश अध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। डा. अर्चना गुप्ता को दी गई जिम्मेदारी को भाजपा द्वारा महिला नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है।

डा. अर्चना गुप्ता मूल रूप से पानीपत की रहने वाली हैं और व्यवसाय से रेडियोलाजिस्ट हैं। नौ जुलाई 2024 को जब राई के पूर्व विधायक मोहन लाल बडौली को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तब उनकी टीम में शामिल तीन महामंत्रियों कृष्ण कुमार बेदी और सुरेंद्र पुनिया के साथ डा. अर्चना गुप्ता को भी यह दायित्व सौंपा गया था। तब से उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार मेहनत की।

केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब की जिम्मेदारी : पंजाब में अगले साल चुनाव होने हैं, चुनाव से पहले बीजेपी के भीतर बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। बीजेपी ने सुनील जाखड़ की जगह पंजाब प्रदेश अध्यक्ष की कमान सरदार केवल सिंह ढिल्लों को सौंप दी है।

पार्टी हाईकमान ने बरनाला के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश भाजपा की कमान सौंप दी है। उनके नाम की घोषणा के साथ ही पंजाब भाजपा में नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी नेतृत्व ने ऐसे समय में यह फैसला लिया है, जब पंजाब में संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में पकड़ बढ़ाने की चुनौती सामने है। केवल सिंह ढिल्लों बरनाला के तल्लेवाल गांव से संबंध रखते हैं। वह पंजाब के बड़े उद्योगपतियों और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। वह ढिल्लों ग्रुप के प्रमुख हैं और लंबे समय से कारोबार के साथ-साथ राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। ढिल्लों पिछले करीब दो दशकों से पंजाब की राजनीति में सक्रिय हैं।

कांग्रेस टिकट पर वह 2007 और 2012 में बरनाला से विधायक चुने गए थे। वह पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपप्रधान भी रह चुके हैं और मालवा क्षेत्र में कांग्रेस का बड़ा चेहरा माने जाते हैं। जून 2022 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया।

संक्षिप्त न्यूज

खुद ही छोड़ दें बंगाल, घुसपैठियों से अमित शाह की अपील

कहा, बंगाल में भाजपा सरकार ने नजरबंदी केंद्र बनाए

नई दिल्ली (ब्यूरो)– केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर घुसपैठियों से अपील की है कि पहचान अभियान शुरू होने से पहले वे स्वेच्छा से बंगाल छोड़ दें। उन्होंने कहा कि जो लोग अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके हैं, वे खुद ही वापस लौट जाएं, क्योंकि यदि वे ऐसा करते हैं तो सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

अमित शाह ने कहा कि पहले ममता बनर्जी सरकार के दौरान रोजाना घुसपैठ की खबरें आती थीं, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं और घुसपैठ करने वाले खुद ही लौटने लगे हैं। उन्होंने बताया कि शुभेंदु अधिकारी और बंगाल में भाजपा सरकार ने नजरबंदी केंद्र बनाए हैं। हालांकि, सरकार चाहती है कि लोग स्वेच्छा से वापस जाएं। उन्होंने भरोसा जताया कि पहचान अभियान शुरू होने से पहले बड़ी संख्या में लोग खुद ही लौट जाएंगे और जो लोग स्वेच्छा से वापस जाएंगे, उनके खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं होगा, बल्कि सरकार उनकी वापसी में मदद भी करेगी।

इसके अलावा अमित शाह ने कहा कि बंगाल चुनाव के दौरान भाजपा ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर बांग्लादेश सीमा पर अधूरी फेंसिंग का काम तेजी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ सात दिनों में 600 हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को सौंप दी और इसके साथ ही चिकन नेक क्षेत्र की 121 हेक्टेयर भूमि भी बीएसएफ को दे दी गई है, जो सीमा सुरक्षा के दृष्टिकोण से अहम कदम है।

हिमाचल पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में उत्साहपूर्ण मतदान, बूथों पर लगी लंबी कतारें

तपती धूप भी नहीं रोक पाई मतदाता, 78.75 प्रतिशत मतदान दर्ज

» प्रथम न्यूज । शिमला

28 मई (बी शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज चुनाव के दूसरे चरण के लिए वीरवार सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया। प्रदेशभर में मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। मतदान केंद्रों के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं और ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर लोगों में खासा जोश नजर आया। तेज धूप और गर्म मौसम के बावजूद मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लगातार मतदान केंद्रों तक पहुंच रहे हैं।

इससे पहले पहले चरण के मतदान में भी लोगों ने रिकॉर्ड उत्साह दिखाया था। लू की चेतावनी और तपती धूप के बावजूद ग्रामीण मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पंचायतीराज संस्थाओं की त्रिस्तरीय व्यवस्था के तहत दूसरे चरण में 1293 पंचायतों और 7729 वार्डों में कुल 78.75 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। कुल 18,23,030 मतदाताओं में से 14,35,717 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

दूसरे चरण के मतदान में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक उत्साह दिखाया। महिला मतदान प्रतिशत 81.96 रहा, जबकि पुरुषों का मतदान 75.63 प्रतिशत दर्ज किया गया। महिलाओं का मतदान पुरुषों से लगभग छह प्रतिशत अधिक रहा। किन्नौर, शिमला और सिरमौर जिलों को छोड़कर प्रदेश के नौ जिलों में महिला मतदाता पुरुषों से आगे रहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग मतदाताओं का उत्साह भी लोगों के लिए प्रेरणा बना हुआ है। ग्राम पंचायत मैन भरोला में 85 वर्षीय रुको देवी ने मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और युवाओं को लोकतंत्र में भागीदारी का संदेश दिया। वहीं ग्राम पंचायत ममेल के वार्ड नंबर-01 सानना में 70 वर्षीय दीनानाथ ने भी मतदान कर लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाई।

ग्राम पंचायत ममेल में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी लाइनें देखने को मिलीं। लोग धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। वहीं ग्राम पंचायत गिरब-खुर्द के ढैंडा बूथ पर भी भारी भीड़ उमड़ी रही। भनवाड़ क्षेत्र में भी लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं सुबह से मतदान केंद्रों पर कतारों में खड़ी नजर आईं। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया जारी है।

कर्नाटक राजनीति में बड़ा बदलाव

मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सौंपा इस्तीफा, कांग्रेस में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली (एएम नाथ)– गुरुवार सुबह बेंगलुरु में सीएम आवास पर हुई ब्रेकफास्ट मीटिंग के बद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के इस्तीफे देने का फैसला ले लिया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने अपने आवास पर आयोजित नाश्ते के दौरान अपने कैबिनेट सहयोगियों को अपने इस्तीफे के फैसले की जानकारी दी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल कार्यालय को सौंप दिया है। राज्यपाल यहां नहीं हैं, वे आज रात लौट रहे हैं। इसलिए, मैंने इस्तीफा उनके कार्यालय में जमा कर दिया।

कर्नाटक के राज्यपाल के विशेष सचिव प्रभु शंकर ने कहा, मुझे सिद्धरमैया का मुख्यमंत्री के तौर पर मिल गया है। लेकिन राज्यपाल के लौटने के बाद ही वे इसे स्वीकार कर सकते हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, हाई कमान के पहले ही इस्तीफा देने के लिए कहने के बाद, मैंने आज अपना इस्तीफा सौंप दिया है। मुझे पूरा भरोसा है कि जब राज्यपाल आएंगे, तो वे इसे स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि यह संविधान के अनुसार ही किया जाना है... हमारे पास पूर्ण बहुमत है। इसलिए, यह संवैधानिक है कि मुख्यमंत्री को (सरकार बनाने की) अनुमति दी जाए... मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहूंगा, जिन्होंने मुझे यह अवसर प्रदान किया।

‘रंगला पंजाब’ का सपना हो रहा साकार : मान

सीचेवाल में सीएम भगवंत मान ने किया एस्ट्रोटर्फ का उद्घाटन, कहा, पंजाब में खेल और पर्यावरण विकास पर जोर

» प्रथम न्यूज । जालंधर

28 मई (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को गांव सीचेवाल में संत बाबा अवतार सिंह जी की 38वीं सालाना बरसी के अवसर पर आयोजित समागम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने राज्यसभा सदस्य संत बलवीर सिंह सीचेवाल के साथ संत अवतार सिंह मेमोरियल हॉकी स्टेडियम में नए एस्ट्रोटर्फ का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 卐रंगला पंजाब卐 के विज़न को दोहराते हुए राज्य में खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने खेतों तक 21 हजार क्यूसिक पानी पहुंचाया है, जो दो भाखड़ा नहरों के बराबर है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण अनुकूल प्रयासों के जरिए 21 लाख क्यूबिक मीटर पानी भूमिगत रिचार्ज किया गया है, जिससे कई इलाकों में भूजल स्तर 2 से 4 मीटर तक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य में विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल, अस्पताल, सड़कें और खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं और अब रंगला पंजाब की झलक पूरे प्रदेश में दिखाई देने लगी है।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की धरती प्रेम, भाईचारे और सहिष्णुता की प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि महान गुरुओं और संतों ने समाज को एकता और मानवता का संदेश दिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे समाज में नफरत फैलाने वाली ताकतों से सतर्क रहें और राज्य की शांति एवं भाईचारे को बनाए रखने के लिए एकजुट रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी ऐसी विभाजनकारी राजनीति में विश्वास नहीं रखती।

गुरबाणी की पंक्ति पवणु गुरू पानी पिता माता धरति महतु का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि गुरुओं ने प्रकृति को सर्वोच्च सम्मान देने की सीख दी थी, लेकिन आधुनिक समय में मनुष्य प्रकृति की रक्षा करने में असफल रहा है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण बचाने के अभियान में सरकार का सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने संत बलवीर सिंह सीचेवाल की सराहना करते हुए कहा कि ‘सीचेवाल मॉडल’ के जरिए वे समाज और पर्यावरण के लिए उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

केवल ढिल्लों बने पंजाब भाजपा अध्यक्ष : पहली बार जट्ट सिख को पार्टी की कमान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

28 मई (एएम नाथ)

भाजपा ने केवल ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे सुनील जाखड़ की जगह लेंगे।

ढिल्लों भाजपा के पहले जट्ट सिख प्रधान हैं।

एक बार फिर भाजपा ने कांग्रेस से आए चेहरे पर दांव लगाया है। ढिल्लों से पहले प्रधान रहे सुनील जाखड़ भी कांग्रेस से आए थे। ढिल्लों भाजपा नेताओं के साथ आज गवर्नर हाउस पहुंचे थे, इसी दौरान उन्हें प्रधान बनाए जाने की जानकारी मिली।

2027 चुनाव पर है फोकस

नियुक्ति के बाद अपने पहले बयान में नए प्रधान ने कहा कि अब उनका फोकस 2027 चुनाव पर रहेगा। ढिल्लों ने कहा कि 2027 में कमल खिलाने के लिए पंजाब में सभी को साथ लेकर चला जाएगा। जो लोग कहते हैं कि अगली बार भाजपा एक या दो सीटों पर सिमट जाएगी, वे 2027 में पंजाब भाजपा का प्रदर्शन देखकर चौक जाएंगे।

बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी

उन्होंने आप सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि साढ़े चार साल बीतने के बावजूद जनता से किए बड़े वादे अभी तक अधूरे हैं। बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी है, पंजाब में सभी जातियां और समुदाय के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे और 2027 में सरकार बनाएंगे।

बरनाला से दो बार रह चुके हैं विधायक : ढिल्लों पंजाब के एक प्रभावशाली राजनीतिज्ञ और व्यवसायी माने जाते हैं। वे ढिल्लों ग्रुप के प्रमुख हैं। बरनाला के रहने वाले ढिल्लों ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ की थी। उन्होंने 2007 और 2012 में बरनाला विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की और विधायक बने।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कसा तंज

केवल ढिल्लों की नियुक्ति पर सीएम भगवंत मान ने तंज कसा है। सीएम ने ट्वीट किया-2017, 2019 और 2024 में बरनाला की जनता से हारने वाले कांग्रेस के भाजपा नेता केवल ढिल्लों को भाजपा का अध्यक्ष बनने पर बधाई। सुनील जाखड़ के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। भगवान रवनीत बिट्टू, मनप्रीत बादल, फतेहजंग बाजवा, तरुण चुघ और अश्वनी शर्मा आदि को यह अपमान सहने की शक्ति दे।

कैप्टन अमरिंदर के हैं नजदीकी

केवल सिंह ढिल्लों को पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का बेहद करीबी माना जाता है। जून 2022 में, वे औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे।

संगरूर लोकसभा उपचुनाव लड़े थे

उन्होंने 2022 के संगरूर लोकसभा उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव भी लड़ा था मगर आप प्रत्याशी से हार गए थे। वे पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। मौजूदा समय में वह भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

देशभर में बकरीद की धूम, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और नेताओं ने दी शुभकामनाएं

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

28 मई (एएम नाथ)

ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार आज (28 मई) को देशभर में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर देशवासियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं। प्रार्थना है कि यह त्योहार हमारे समाज में भाईचारे और खुशियों की भावना को और मजबूत करे। सभी की सफलता और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी बकरीद की बधाई दी।

बकरीद को समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह पर्व हमें मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति भवन के ऑफिशियल एक्स हैंडल ने एक पोस्ट में लिखा, ईद-उज-अजहा के मौके पर मैं सभी देशवासियों, खासकर मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह त्योहार समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यह पर्व हमें मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

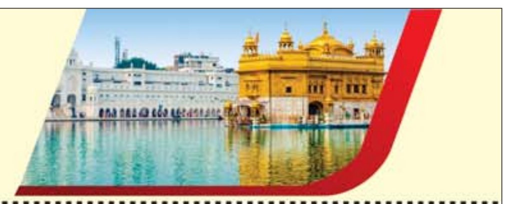

संक्षिप्त न्यूज

भीषण गर्मी के कारण सेवा केंद्रों के समय में बदलाव

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – बढ़ती गर्मी के मौसम और लू के प्रकोप को देखते हुए पंजाब सरकार द्वारा सेवा केंद्रों के कामकाजी समय में बड़ा बदलाव किया गया है। अब जिले के सभी सेवा केंद्र सुबह 7:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुले रहेंगे। यह महत्वपूर्ण जानकारी गुरदासपुर के डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने दी।

डिप्टी कमिश्नर ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भीषण गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार द्वारा आम जनता और कर्मचारियों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है। इससे पहले सेवा केंद्रों का समय सुबह 9:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक निर्धारित था। अब गर्मी को देखते हुए इसे संशोधित कर सुबह 7:30 बजे से दोपहर बाद 3:30 बजे तक कर दिया गया है। समय में किया गया यह बदलाव 25 मई से प्रभावी रूप से लागू हो गया है और अगले आदेशों तक इसी तरह जारी रहेगा। उन्होंने जिला निवासियों से अपील की है कि वे सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अब इसी बदले हुए नए समय के अनुसार जिले के सेवा केंद्रों में पहुँचें, ताकि उन्हें गर्मी के कारण किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – जिला पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 10 ग्राम 250 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की है ।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस विभाग ने बताया कि पहली कार्रवाई में थाना सिटी गुरदासपुर की पुलिस ने कुणाल नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उसके पास से 6 ग्राम 160 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ थाना सिटी गुरदासपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है । इसी तरह, एक अन्य कार्रवाई में थाना कलानौर की पुलिस ने रॉबिन नाम के युवक को दबोचा है। उसके कब्जे से 4.90 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसके खिलाफ थाना कलानौर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अमृतसर में वोटर लिस्ट हेल्प डेस्क शुरू, दिव्यांग-एनआरआई, बजुर्ग मतदाताओं को राहत

अमृतसर (साहिब दयाल) पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी के निर्देशों के बाद, अमृतसर के अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) कम जिला चुनाव अधिकारी रूपिंदरजीत सिंह ने वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए एक हेल्प डेस्क मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) स्थापित किया है। यह हेल्प डेस्क जिला प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स में बनाया गया है। जिला चुनाव अधिकारी रूपिंदरजीत सिंह ने बताया कि इस हेल्प डेस्क का मुख्य उद्देश्य गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं तक आसान पहुंच बनाना है। इसका लक्ष्य सभी नागरिकों, विशेषकर दिव्यांग, प्रवासी, एनआरआई और बुजुर्ग मतदाताओं की चुनावी प्रक्रिया में हर संभव तरीके से भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण की समय सीमा, नया वोट बनाने, वोट में संशोधन करने या हटाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी। साथ ही, मतदाताओं को वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट के रिकॉर्ड को खोजने और उसे लिंक करने में ऑनलाइन और ऑफलाइन सहायता प्रदान की जाएगी। प्रवासी मतदाताओं को उनके मौजूदा और पिछले विधानसभा क्षेत्रों की पहचान करने में मदद की जाएगी, ताकि उनका पंजीकरण सही जगह पर सुनिश्चित हो सके। जिला चुनाव अधिकारी ने यह भी बताया कि हेल्प डेस्क के जरिए नागरिकों और मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 और इसकी सुविधाओं, जिसमें एक मोबाइल ऐप भी शामिल है, के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क पर तैनात कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या असावधानी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ चुनाव नियमों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बकरीद पर दी शुभकामनाएं

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
28 मई (ब्यूरो)

किसी भी खास मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री लोगों को अपनी शुभकामनाएं देने में कभी भी पीछे नहीं रहते हैं। वहीं इस सब के बीच बकरीद 2026 के मौके पर भी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए पूरे मुस्लिम समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पंजाब का आपसी भाईचारा और प्यार हमेशा बना रहे। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए सीएम भगवंत मान ने ईद उल अजहा 2006 पर मुस्लिम समुदाय को पैगाम दिया है। इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहार पर उन्हें बधाई देते हुए नजर आए हैं। आइए जानते हैं क्या कहा उन्होंने।

सीएम भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ईद-उल-अज़हा के मौके पर पूरे मुस्लिम समुदाय को दिल से बधाई। यह पवित्र त्योहार हमें त्याग, दया और आपसी भाईचारे का एक बड़ा संदेश देता है। इस शुभ अवसर पर, मैं पूरे मुस्लिम समुदाय को दिल से बधाई देता हूं। पंजाब का आपसी भाईचारा और प्यार हमेशा ऐसे ही मजबूत बना रहे। सभी को ईद मुबारक।

इस पैगाम के जरिए सीएम भगवंत मान ने मुस्लिम समुदाय के साथ अपनी बात कही है। उन्होंने बताया कि त्याग, दया और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाले त्योहार की सबको बधाई। उन्होंने पंजाब का आपसी भाईचारा और प्यार मजबूत हो सके यह आशा करते नजर आए हैं।

बात करें ईद उल अजहा की तो यह इस्लाम धर्म का सबसे प्रमुख और पवित्र त्योहार माना जाता है। कुर्बानी के इस त्यौहार को पैगंबर इब्राहीम द्वारा अल्लाह के प्रति सर्वोच्च त्याग समर्पण और विश्वास की याद में सेलिब्रेट किया जाता है।

जहां तक बात करें बकरीद की तो यह त्यौहार इस्लाम धर्म के लिए काफी खास होता है। जहां विशेष नमाज मस्जिद हो या ईदगाहों में जाकर अदा किया जाता है और लोग एक दूसरे से मिलकर मुबारकबाद देते हैं। इस खास मौके पर सीएम भगवंत मान एक तस्वीर भी शेयर करते हुए दिखे हैं।

सुनील गोयल पंजाब कार्यकारणी सदस्य ने केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पंजाब में भाजपा मजबूत होगी और 2027 में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा, केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी, लोकप्रिय और जमीनी स्तर के नेता हैं, जिन्हें पंजाब की राजनीति और लोगों के मुद्दों की गहरी समझ है. उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और उत्साह भर गया है।

अमृतसर के रामबाग मार्केट में भीषण आग, एक व्यक्ति जिंदा जला

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
28 मई (साहिब दयाल)

अमृतसर के रामबाग मार्केट में गुरुवार शाम भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग बांस की सीढ़ियां और लकड़ी का सामान बनाने वाले खोखों में लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भीषण गर्मी और शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है। घटना के बाद बाजार में धुएं का गुबार फैल गया और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

रामबाग मार्केट में बड़ी संख्या में बांस, लकड़ी, स्पेयर पार्ट्स, करियाना और अन्य सामान की दुकानें मौजूद हैं। आग ने तेजी से फैलते हुए कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी भयानक थी कि लोगों को अपनी दुकानें छोड़कर जान बचाने के लिए भागना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक काफी नुकसान हो चुका था। आग के दौरान एक व्यक्ति जिंदा झुलस गया। मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि उसका शव दुकान के शटर के साथ चिपकी हालत में मिला, जिससे घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इसके अलावा बाजार में खड़ी एक एक्टिवा स्कूटी भी आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जबकि मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

बाबा आया सिंह रियाड़की कॉलेज में महान विद्वान पंडित तारा सिंह नरोत्तम को समर्पित विशेष समागम आयोजित

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
28 मई (संदीप सन्नी)

बाबा आया सिंह रियाड़की कॉलेज, तुगलवाला (गुरदासपुर) में इनटेक पंजाब के सहयोग से निर्मल पंथ के अद्वितीय विद्वान पंडित तारा सिंह नरोत्तम को समर्पित एक विशेष समागम का आयोजन किया गया। इस समागम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने भूले-बिसरे महान साहित्यकारों और उनकी सांस्कृतिक विरासत से रूबरू करवाना था। कार्यक्रम की प्रेरणा डॉ. परमजीत सिंह मानसा के शोध कार्य से मिली, जिन्होंने पंडित नरोत्तम पर पीएचडी की है।

समागम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए केंद्रीय यूनिवर्सिटी धर्मशाला के पंजाबी व डोगरी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नरेश कुमार ने कहा कि पंडित तारा सिंह नरोत्तम की 4000 से अधिक पृष्ठों की रचनाएं उनके जीवनभर की साधना का प्रमाण हैं। उनके द्वारा रचित %गुरु गिरार्थ कोष% आज के आधुनिक कोषों की आधार-विधि बना है।

अप्रकाशित ग्रंथों का होगा प्रकाशन-

इनटेक पंजाब के कन्वीनर मेजर जनरल बलविंदर सिंह ने कहा कि साहित्यिक व वैचारिक विरासत को संभालना बेहद जरूरी है। पंडित नरोत्तम वह महान विद्वान थे, जिन्होंने अपने ग्रंथ गुर तीर्थ संग्रह में सबसे पहले श्री हेमकुंठ साहिब के महत्व को प्रकाशित किया था। उन्होंने घोषणा की कि इनटेक पंजाब जल्द ही उनके अप्रकाशित ग्रंथों को दोबारा प्रकाशित करने का बीड़ा उठाएगा।

विद्यार्थियों के लिए सदा प्रेरणास्त्रोत रहेगी उनकी जीवन यात्रा-

प्रसिद्ध कवि प्रो. गुरभजन सिंह गिल और डॉ. परमजीत सिंह मानसा ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर संस्थान के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब कोई शिक्षण संस्थान केवल डिग्रियां बांटने तक सीमित न रहकर साहित्यिक विरासत की रक्षा का बीड़ा उठाता है, तो वह संस्थान स्वयं में एक साहित्यिक तीर्थ बन जाता है।

कॉलेज के प्रिंसिपल स. स्वर्ण सिंह विरक और रियाड़की संस्थाओं के प्रबंधक स. गगनदीप सिंह विरक ने बताया कि एक साधारण किसान परिवार से उठकर काशी, अमृतसर और बंगाल तक ज्ञान की यात्रा करने वाले पंडित नरोत्तम का जीवन विद्यार्थियों के लिए सदा प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

समागम में विद्वानों द्वारा उनके प्रसिद्ध ग्रंथों- श्री गुरमत निर्णय सागर, भगत बाणी सटीक और गुर तीर्थ संग्रह पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भारी संख्या में छात्र, शिक्षक और साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता रिंकू नरूला ने मुस्लिम भाईचारे को दी ईद-उल-जुहा की बधाई

अमृतसर (साहिब दयाल) हल्का दक्षिणी से कांग्रेस के मुख सेवादार जगदीप सिंह रिंकू नरूला ने बाजार सिरकी बांदा स्थित मस्जिद मौला बख्श पहुंचकर मुस्लिम भाईचारे को ईद-उल-जुहा की मुबारकबाद दी। इस दौरान उन्होंने लोगों से गले मिलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं और प्रदेश में अमन-शांति व भाईचारे की कामना की।

रिंकू नरूला ने कहा कि पंजाब हमेशा से सांझी संस्कृति और भाईचारे की मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि ईद-उल-जुहा का त्योहार हमें त्याग, प्रेम और इंसानियत की सीख देता है तथा सभी धर्म आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में खुशियां और तरक्की लेकर आए। इस मौके पर ऑल इंडिया उलमा बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना शाहिद अहमद ने बताया कि मस्जिद मौला बख्श में सुबह 8:30 बजे ईद-उल-जुहा की नमाज अदा की गई, जिसमें भारी संख्या में मुस्लिम भाईचारे के लोगों ने शिरकत की।

उन्होंने कहा कि यह त्योहार अल्लाह की राह में कुर्बानी और समर्पण का प्रतीक है। मौलाना शाहिद अहमद ने हजरत इब्राहिम अलेही सलाम और हजरत इस्माइल अलेही सलाम की कुर्बानी का जिक्र करते हुए कहा कि ईद-उल-जुहा इंसानियत, ईमान और अल्लाह के प्रति सच्ची आस्था का संदेश देती है। उन्होंने लोगों से प्रेम और भाईचारे के साथ रहने की अपील भी की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मुस्लिम भाईचारे के लोग, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं तथा सभी ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।

जल बूंद चिन्ह बनाकर विद्यार्थियों ने दिया बूंद-बूंद बचाने का संदेश

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
28 मई (साहिब दयाल)

थांदे में स्थित माउंट लिट्रा जी स्कूल अमृतसर द्वारा शहरवासियों को पानी की अहमियत समझाने के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल के चेयरमैन मंगविंदर सिंह खापड़खेड़ी और एमडी नवदीप कौर गिल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने जल बूंद का चिन्ह बनाया। जिसके माध्यम से बच्चों ने बखूबी दर्शाया कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन का आधार है, जिसकी उपलब्धता अब तेजी से कम हो रही है। नवदीप कौर गिल ने सूखा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति को बयां किया और बताया कि किस तरह स्वच्छ पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने लोगों को पानी के अनावश्यक बहाव को रोकने और जलाशयों को कूड़ा-मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया।

वहीं स्कूल के प्रिंसिपल जसविंदर सेठी ने कहा कि पूरा विश्व धरती के नीचे कम हो रहे जल की समस्या से जूझ रहा है। बढ़ती जनसंख्या के कारण जल की मांग बढ़ी है, जिससे संकट और गंभीर हो गया है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वन संरक्षण और पौधारोपण जल को शुद्ध रखने में सहायक होते हैं। इसके साथ ही उन्होंनो दैनिक जीवन में %वेस्ट वाटर% (व्यर्थ पानी) के बचाव के व्यवहारिक तरीके भी साझा किए। प्रिंसिपल जसविंदर सेठी ने स्कूल के विद्यार्थियों की सामाजिक सोच की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए ऐसे प्रयास ही समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। प्रिंसिपल जस्विंदर सेठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पानी हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक है और हर एक बूँद महत्व रखती है, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पानी व्यर्थ न जाए। उन्होंनो विद्यार्थियों और उनके परिवारों को अधिक पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

सरकारी कॉलेज गुरदासपुर में करियर गाइडेंस क्लास और मेंटल हेल्थ वेलफेयर ऑफिस की शुरुआत

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
28 मई (संदीप सन्नी)

पंजाब की शिक्षा सचिव सोनाली गिरी उज्जल ने सरकारी कॉलेज गुरदासपुर का दौरा किया।

इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल की संरक्षता में चल रही समर्पण सोसायटी के सहयोग से कॉलेज में करियर गाइडेंस व प्रतियोगी परीक्षाओं की कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही कॉलेज परिसर में मेंटल हेल्थ वेलफेयर ऑफिस (मानसिक स्वास्थ्य कल्याण कार्यालय) का भी उद्घाटन किया गया। शिक्षा सचिव ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उम्मीद और समर्पण ही शिक्षा का असली आधार है। उन्होंने अध्यापकों व समाज पर जोर देते हुए कहा कि हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम रोजाना विद्यार्थियों से बात करें, विशेषकर परीक्षाओं से पहले और नतीजे आने के समय। छात्रों की लगातार हौसला अफजाई करना बेहद जरूरी है ताकि कोई भी विद्यार्थी तनाव (स्ट्रेस) में आकर कोई गलत कदम न उठाए।

बढ़ता जा रहा है कॉलेज का ग्राफ

सोनाली गिरी ने कॉलेज के विकास और नए कोर्स शुरू करने के लिए प्रिंसिपल प्रोफेसर अश्वनी भल्ला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस कॉलेज में विद्यार्थियों की संख्या साल 2023 में लगभग 1500 थी, जो अब बढ़कर 2200 हो गई है और आने वाले समय में इसे 3000 तक ले जाने का लक्ष्य है।

उन्होंने पूर्व डिप्टी कमिश्नर विपुल उज्जल, कॉलेज के पूर्व छात्रों (एलुम्नाई) और शहर के गणमान्य लोगों द्वारा सोसायटी को दिए गए योगदान की भी प्रशंसा की।

आईएएस और पीसीएस बनने वाले छात्रों को मिलेगा मंच

समर्पण सोसायटी के सचिव और मेंटल हेल्थ सोसायटी के को-कन्वीनर परमिंदर सैनी ने विश्वास दिलाया कि जो होनहार छात्र आईएएस और पीसीएस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं, उन्हें परीक्षा की तैयारी के लिए यहाँ हर संभव मुफ्त सुविधा और मार्गदर्शन दिया जाएगा।

इस विशेष समारोह के दौरान शिक्षा सचिव द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और विशेष रूप से शहीद लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह के पिता कैप्टन जोगिंदर सिंह को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल, जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत कौर, प्रोफेसर राज कुमार शर्मा और जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पंचायतीराज संस्थाओं के दूसरे चरण के चुनाव में जिला बिलासपुर की 62 ग्राम पंचायतों में हुआ 78.95 प्रतिशत मतदान

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– जिला बिलासपुर की पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण में आज कुल 78.95 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है। जिनमें सबसे अधिक मतदान श्री नैना देवी जी विकास खण्ड में 82.74 प्रतिशत जबकि सबसे कम मतदान घुमारवीं विकास खण्ड में 76.40 प्रतिशत दर्ज हुआ है। दूसरे चरण में महिला मतदाताओं की भागीदारी 82.59 प्रतिशत और पुरुषों की 75.33 प्रतिशत दर्ज हुई है। दूसरे चरण में जिला में कुल 1 लाख 8 हजार 756 मतदाताओं में से 85 हजार 854 मतदाताओं ने मतदान में अपनी भागीदारी दर्ज करवाई है। जिनमें 54 हजार 199 महिला मतदाताओं में से 44 हजार 762 तथा 54 हजार 546 पुरुष मतदाताओं में से 41 हजार 91 ने अपने मत का प्रयोग किया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग के निर्धारित कार्यक्रमानुसार जिला की पंचायती राज संस्थाओं के दूसरे चरण के चुनाव में जिला की 62 ग्राम पंचायतों के 386 वार्डों में मतदान करवाया गया, जिनमें विकास खण्ड सदर बिलासपुर की 17 पंचायतों के 105 वार्ड, घुमारवीं की 21 पंचायतों के 133 वार्ड, श्री नैना देवी जी की 09 पंचायतों के 53 वार्ड तथा झण्डुता विकास खण्ड की 15 ग्राम पंचायतों के 95 वार्ड शामिल है में आज प्रातः 7 बजे से सांय 3 बजे तक मतदान करवाया गया।

उन्होंने बताया कि विकासखंड सदर बिलासपुर के कुल 17 पंचायतों में 82.36 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, यहां कुल 27 हजार 882 मतदाताओं में से 22 हजार 964 मतदाताओं ने भाग लिया। इसी तरह जहां विकास खण्ड घुमारवीं के कुल 21 पंचायतों में 76.40 प्रतिशत मतदान हुआ, यहां 39 हजार 58 मतदाताओं में से 29 हजार 842 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया तो वहीं विकास खण्ड श्री नैना देवी जी के कुल 09 पंचायतों में 82.74 प्रतिशत मतदान हुआ, यहां 13 हजार 769 मतदाताओं में से 11 हजार 392 मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया। जबकि विकास खण्ड झंडूता के कुल 15 ग्राम पंचायतों में 77.24 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, यहां कुल 28 हजार 37 मतदाताओं में से 21 हजार 656 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया।

चुनावी ड्यूटी छोड़ प्रचार करने के आरोप में पोलिंग ऑफिसर सस्पेंड

फतेहपुर (कांगड़ा) (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में पंचायत चुनाव के दौरान चुनावी ड्यूटी में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। फतेहपुर क्षेत्र की बगड़ोली पंचायत में तैनात एक पोलिंग ऑफिसर पर ड्यूटी छोड़कर चुनाव प्रचार करने का आरोप लगा है। शिकायत मिलने के बाद जिला प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को सस्पेंड कर दिया।

इस कार्रवाई का सस्पेंशन आदेश सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार स्थाना पटवारी सर्कल में कार्यरत पटवारी सुनील कुमार की पंचायत बगड़ोली में बतौर पोलिंग ऑफिसर ड्यूटी लगाई गई थी। आरोप है कि वह बीती रात ड्यूटी स्थल से अनुपस्थित पाए गए। इसी दौरान उनके अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने की शिकायत प्रशासन तक पहुंची। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कांगड़ा ने तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया।

हालांकि सस्पेंड किए गए पोलिंग ऑफिसर सुनील कुमार ने चुनाव प्रचार के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि बीती शाम उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी। इसके बाद उन्होंने अपनी टीम को सूचित किया और उपचार के लिए घर चले गए। सुनील कुमार के मुताबिक उन्होंने एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार लिया था।

उन्होंने दावा किया कि वह अगले दिन सुबह करीब छह बजे फिर से पोलिंग बूथ पर पहुंच गए थे और दोपहर करीब ढाई बजे तक मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न करवाई। उनका कहना है कि उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही पोलिंग स्टेशन से रिलीव किया गया था। फिलहाल प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है।

शिमला सचिवालय में बड़ा बदलाव

मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए इमारत का पुनर्गठन, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

» प्रथम न्यूज । शिमला
28 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित सचिवालय में मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्माणाधीन भवन को आकार देने के लिए इलर्जली भवन के पुराने सीएम कार्यालय व मुख्य सचिव कार्यालय के कुछ हिस्से को गिराकर नए भवन का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री इलर्जली इमारत के दूसरे छोर पर स्थित लिफ्ट के साथ सीपीएस के खाली करवाए कार्यालय में बैठेंगे।

प्रस्तावित कार्यालय में मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम के जवान तैनात हो गए हैं। प्रवेश द्वार पर आगंतुकों की जांच के लिए मेटल डिटेक्टर स्थापित कर दिया है। इसके साथ ही आगंतुकों के बैठने के लिए वेटिंग रूम में व्यवस्था कर दी गई है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान निजी सचिव स्टाफ के साथ बैठेंगे।

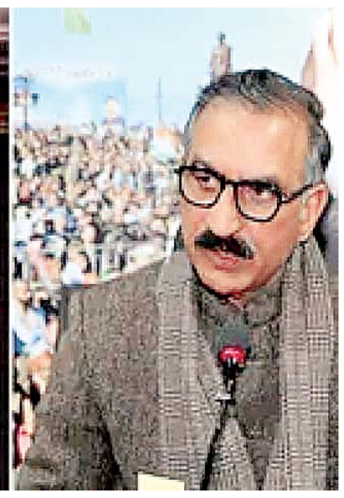

अस्थायी कार्यालयों से होगा कामकाज – फिलहाल बैठने की व्यवस्था यथावत है और अगले सप्ताह अस्थायी कार्यालयों से कामकाज शुरू होगा। मुख्य सचिव और उनके कार्यालय का स्टाफ कहां बैठेगा, ये सुनिश्चित नहीं हो पाया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से मुख्य सचिव को बैठने के कई विकल्प सुझाए गए हैं।

नए कार्यालय में की जा रही व्यवस्था – बुधवार को मुख्यमंत्री शिमला जिले के दौरे पर थे और सचिवालय कार्यालय नहीं आए, लेकिन उनका समूचा स्टाफ पहले की तरह पुरानी जगह कामकाज करता रहा। नए अस्थायी कार्यालय में बैठने की समुचित व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से धरातल मंजिल स्थित कई ब्रांच कार्यालयों को दूसरी जगह भेज दिया गया है। इनमें सामान्य प्रशासन विभाग की ब्रांच, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संगठन का कार्यालय को अन्यत्र भेजा है। इलर्जली इमारत की कैंटीन में अब कर्मचारियों के आने-जाने का एक ही रास्ता रहेगा। अभी तक कर्मचारी चारों ओर से कैंटीन पहुंचते थे।

गोंदपुर जयचंद में भाजपा की बड़ी जीत, उपमुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में बदले समीकरण

ऊना (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश की राजनीति में उस समय नया मोड़ देखने को मिला, जब उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के गृह पंचायत गोंदपुर जयचंद में भाजपा ने बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल कर ली। पंचायतीराज चुनाव में भाजपा के जिला महामंत्री लखबीर सिंह लक्खी ने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री के चचेरे भाई अनूप अग्निहोत्री को 144 मतों के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। इस परिणाम ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे हरोली विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है। यह सीट लंबे समय से कांग्रेस का मजबूत गढ़ मानी जाती रही है और उपमुख्यमंत्री का प्रभाव क्षेत्र होने के कारण इस मुकाबले को बेहद अहम माना जा रहा था। लेकिन भाजपा की इस जीत ने संकेत दिया है कि ग्रामीण स्तर पर मतदाताओं के रुझान में बदलाव देखने को मिल रहा है। परिणाम आने के बाद राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे एक साधारण पंचायत चुनाव की हार-जीत मानने से इनकार करते हुए इसे आगामी राजनीतिक समीकरणों का संकेत बताया है। भाजपा खेमे में इस जीत को संगठनात्मक मजबूती और बूथ स्तर पर बेहतर रणनीति का परिणाम माना जा रहा है। वहीं कांग्रेस खेमे में यह हार चिंता का विषय बन गई है, खासकर तब जब यह पराजय उपमुख्यमंत्री के निकट संबंधी उम्मीदवार की हुई हो।

स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि चुनाव में विकास कार्यों, व्यक्तिगत संपर्क और स्थानीय मुद्दों ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि इस परिणाम का प्रभाव आने वाले समय में हरोली और आसपास के क्षेत्रों की राजनीति पर भी देखने को मिल सकता है।

नालागढ़ विकास खंड की 26 पंचायतों में 86.23 प्रतिशत मतदान

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ द्वितीय चरण

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
28 मई (गुरजीत सिंह)

निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपमंडलाधिकारी नालागढ़ नरेंद्र आहलूवालिया ने जानकारी देते हुए कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन-2026 के द्वितीय चरण के अंतर्गत विकास खंड नालागढ़ की 26 ग्राम पंचायतों में मतदान प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मतदान के दौरान मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि द्वितीय चरण के लिए स्थापित 178 मतदान केंद्रों पर कुल 41,679 मतदाता मतदान के पात्र थे, जिनमें 21,404 पुरुष तथा 20,275 महिला मतदाता शामिल थे। मतदान के उपरांत प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 18,011 पुरुष एवं 17,930 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार कुल 35,941 मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया तथा कुल मतदान प्रतिशत 86.23 दर्ज किया गया। निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया गया तथा सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी गई। उन्होंने स्वयं भी अनेक मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि इस बार प्रथम बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। युवाओं की सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र के प्रति उनकी जागरूकता और जिम्मेदारी को दर्शाती है। कई मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदान करने पहुंचे मतदाताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उत्साहपूर्वक प्रदर्शित किया।

नरेंद्र अहलूवालिया ने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना अथवा कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के मतदाताओं, निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सुरक्षा कर्मियों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान क्षेत्र में आपसी सद्भावना और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन का तृतीय एवं अंतिम चरण 30 मई, 2026 को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित क्षेत्रों के मतदाताओं से लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की।

निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायत समिति (बीडीसी) एवं जिला परिषद निर्वाचन की मतगणना 31 मई, 2026 को राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में संपन्न होगी। मतगणना के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं तथा राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परिणाम घोषित किए जाएंगे।

द्वितीय चरण के शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए दिनभर सक्रिय रहा जिला प्रशासन, विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
28 मई (जितेंद्र गौतम)

पंचायती राज संस्थाओं के द्वितीय चरण के मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन पूरे दिन सक्रिय रहा। मतदान प्रक्रिया के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बिलासपुर राहुल कुमार तथा अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर ने विभिन्न मतदान केंद्रों एवं मॉडल पोलिंग स्टेशनों का निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया तथा मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपायुक्त राहुल कुमार ने झंडूता विकास खंड के अंतर्गत प्रशासन द्वारा स्थापित गालियां तथा बरठीं मॉडल पोलिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं को बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मॉडल पोलिंग स्टेशनों में विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

उन्होंने बताया कि मॉडल पोलिंग स्टेशनों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क, स्वास्थ्य जांच सुविधा, बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल तथा बच्चों के लिए क्रेच सुविधा उपलब्ध करवाई गई है ताकि मतदाता सहज वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर पहुंचे मतदाताओं से बातचीत कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी भी ली। मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं एवं शांतिपूर्ण वातावरण पर संतोष व्यक्त किया। उपायुक्त ने मतदान ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी संवाद किया तथा मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुचारू ढंग से संपन्न करवाने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत उपायुक्त राहुल कुमार ने चांदपुर, बरठीं तथा औहर मतदान केंद्रों का भी दौरा कर वहां मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा प्रबंधों तथा मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया के दौरान पूर्ण सतर्कता, पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखा जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कुल्लू में टाटा सूमो खाई में समाई, 3 महिलाओं की मौत, 9 घायल

वोट डालकर शिरड़ मेला देखने जा रहे थे ग्रामीण, पीज मार्ग पर बड़ा हादसा, ग्रामीणों ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

» प्रथम न्यूज । कुल्लू
28 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। जिला मुख्यालय के समीप पीज मार्ग पर बागन के पास सवारियों से भरी एक टाटा सूमो अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी।

इस भीषण हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि वाहन में सवार सभी लोग मतदान करने के बाद शिरड़ मेला देखने जा रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि वाहन सीधे गहरी खाई में जा समाया। गाड़ी के गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना देर किए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को भी घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही कुल्लू पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को खाई से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया गया।

हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान मैना देवी (37) पत्नी देवी सिंह, कलावती (40) पत्नी सुरेंदर तथा काली देवी (35) पत्नी बुद्धि सिंह के रूप में हुई है। तीनों मृतक महिलाएं गांव बेधर, डाकघर भरई, तहसील एवं जिला कुल्लू की निवासी थीं।

वहीं हादसे में जय सिंह, माला देवी, अंजू, कमला, अयांश ठाकुर, तारा ठाकुर, प्रोमिला देवी, चित्रु देवी और सावित्रा घायल हुए हैं। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। घायलों में 6 वर्षीय अयांश ठाकुर और तारा ठाकुर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए एम्स बिलासपुर रेफर किया गया है।

एसपी कुल्लू मदन लाल ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में वाहन के अनियंत्रित होने की बात सामने आ रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। वहीं कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

जिला स्तरीय दो दिवसीय माँ चंडी देवी मेला आज से, खेलकूद प्रतियोगिताएं व कुश्ती दंगल मेले का मुख्य आकर्षण

» प्रथम न्यूज । बद्दी
28 मई (तारा)

जिला स्तरीय दो दिवसीय जय मां चंडी मेले का आयोजन 29 और 30 मई को मेला ग्राउंड चंडी में धूमधाम से किया जाएगा।पूर्व पंचायत प्रधान बलवंत ठाकुर व अध्यक्ष मंदिर कमेटी चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि मेले का शुभारंभ 29 मई को मां चंडी देवी की पूजा अर्चना के साथ विधायक राम कुमार चौधरी द्वारा किया जाएगा।उन्होंने बताया कि मेले में कबड्डी जूनियर व सीनियर वर्ग, दंगल, शतरंज व चैस की प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। इसके इलावा लोकसंपर्क विभाग व अन्य कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।मेले में सभी भक्तों के लिए लंगर की सुविधा भी होगी। मेले के पहले दिन शाम को जागरण में पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

पौराणिक कथाओं के अनुसार जब भगवान शिव शक्ति का क्षत-विक्षत शव अपने कंधे पर उठाकर के कैलाश जा रहे थे, तो जहां जहां सती के अंग गिरे वहां वहां वर्तमान में शक्ति स्थल बन गए, कुछ स्थल प्रसिद्ध हो गए, कुछ अभी विश्व के मानचित्र पर उभरने बाकी है। ऐसा ही उभरता हुआ शक्ति स्थल जय माँ चंडी देवी का मंदिर है।

माँ चंडी का यह मंदिर विकास खंड पट्टा मेहलोग की ग्राम पंचायत चंडी में स्थित है।

गांव के चारों ओर से पर्वतीय शैल मालाओं की हरी भरी घाटियों एवं उत्तंग शिखरो से घिरा हुआ चंडी गांव अपने आप में रमणीय रूप से वर्तमान मे धार्मिक आस्था का केंद्र बन गया है। चंडी मंदिर विकास समिति की उचित देखरेख में विकास एवं आस्था के नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है।

बता दें कि चंडी गांव का नामकरण भी माँ चंडी देवी के नाम से हुआ है। पौराणिक मिथकों के आधार पर माँ चंडी इस गांव में पिंडी रूप में प्रकट हुई थी,कहते हैं कि एक स्थानीय किसान जब अपने खेत में हल जोत रहा था तो उस दौरान हल की फाली के अगले भाग में खून लगा देख कर के वह किसान बहुत अचंभित एवं भयभीत हो गया कि मेरे हल के नुकीले भाग अर्थात फाली से क्या जीव मर गया होगा जो यह खून लगा है। जब वह इस दृश्य को देख कर के बहुत भयभीत एवं आश्चर्यचकित हुआ तो उसने अपनी नजर इधर उधर खेत में घूमाई तो उसने पाया कि यह खून एक पत्थर नुमा पिंडी के ऊपरी हिस्से से बह रहा है। इस दैविक दृश्य को देख कर के वह किसान बहुत आश्चर्यचकित एवं अचंभित रह गया।

उसके उपरांत उस किसान ने अपने घर के सदस्यों एवं स्थानीय गांव के लोगों के साथ इस दैविक घटना के विषय पर चर्चा की। इस देविक घटना के उपरांत एक रात को उस किसान को स्वपन में माँ काली अर्थात चंडी का साक्षात्कार हुआ। माँ चंडी ने उस किसान से स्वपन में कहा कि मुझे पिंडी रूप में अपने गांव में स्थापित कर नित्य प्रति इस की पूजा करें । इससे उसका एवं सारे चंडी क्षेत्र का भविष्य में कल्याण होगा। इस के बाद गांव के लोगों ने माँ चंडी को प्रति स्वरूप उस पत्थर नुमा पिंडी को चौकी बना करके उस पर विधिवत पूजन एवं मंत्रोच्चारण के साथ उसको स्थापित किया। यदि हम इतिहास के पन्ने को खोल कर देखें तो पाते हैं की माँ चंडी देवी का मंदिर पट्टा महलोग रियासत के तत्कालिक मैनेजर मियां भवानी सिंह ने मां चंडी के प्रति अपनी पूर्ण आस्था एवं अटूट श्रद्धा के चलते सन 1910 में इस की स्थापना की थी।आज माँ चंडी देवी उभरता हुआ धार्मिक एवं निष्ठा का केंद्र बन गया है।इस मंदिर की पवित्रता और धार्मिक निष्ठा के चलते इस मंदिर का और भी महत्व बढ़ जाता है। यह पवित्र एवं धार्मिक स्थल सोलन से 45 सुबाथू से 21 , कुनिहार से 18, हरिपुर गुरुद्वारे से केवल 12 व नालागढ़ से 40 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। वैसे हिमाचल के सभी शक्ति स्थल पर वर्ष भर मेले लगते हैं लेकिन चंडी मेले की अपनी विशेष महत्ता है। यह मेला आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे बड़ा मेला है। स्थानीय लोग उत्सुकता एवं बेसब्री से इस मेले का वर्ष भर इंतजार करते हैं।इसे चंडी की जातर के नाम से भी जाना जाता है।यह मेला पिछले 100 वर्षों से लगता आ रहा है

प्रदेश की इलेक्ट्रिक बसों में विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी बस-पास सेवा- मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत इलेक्ट्रिक बस अड्डे का किया उद्घाटन,80 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
28 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा में ग्रीन पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को पानीपत में इलेक्ट्रिक बस डिपो का उद्घाटन किया तथा 80 इलेक्ट्रिक सिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानीपत की ऐतिहासिक और पावन धरती से आज हरियाणा में स्वच्छ, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था के नए युग की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरवार को रवाना की गई 80 इलेक्ट्रिक बसों में पानीपत के लिए 40, यमुनानगर के लिए 15, कुरुक्षेत्र और सोनीपत के लिए 10-10 तथा पंचकूला के लिए 5 बसें शामिल हैं। यह केवल बसें नहीं हैं, बल्कि हरियाणा के स्वच्छ, सुगम और आधुनिक भविष्य की नई शुरुआत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पानीपत में लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बस डिपो तैयार किया गया है। इसके अलावा प्रदेश के 8 अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक बस डिपो निर्माणाधीन हैं, जहां बसों की चार्जिंग की आधुनिक व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को 'ग्रीन इंडिया', 'नेट जीरो' और 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट' का विजन दिया है। पूरी दुनिया आज पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन एनर्जी की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने का आह्वान किया है और हरियाणा सरकार उसी सोच को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बस सेवा से पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण में कमी आएगी तथा लोगों को सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक यात्रा सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड शहरी जीवन को अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। हाल ही में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत परिवहन सेवाओं के अगले पांच वर्षों के रोडमैप की समीक्षा की गई है। तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों को देखते हुए शहरों में लोकल बसों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार बसों को रेलवे की तर्ज पर ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ने पर भी कार्य कर रही है, जिससे यात्री मोबाइल ऐप के माध्यम से बसों की लोकेशन और आगमन समय की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही एक वर्ष के भीतर 10 नए इलेक्ट्रिक बस स्टैंड बनाए जाएंगे तथा भविष्य में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले और शहर में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर ट्रैफिक स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पानीपत, यमुनानगर, करनाल, पंचकूला और रोहतक सहित 10 बड़े शहरों में सिटी बस सेवा उपलब्ध है। पहले से चल रही 75 ई-बसों में आज 80 नई बसें शामिल होने के बाद कुल संख्या 155 हो गई है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे महानगरों के लिए 650 स्टैंडर्ड फ्लोर एसी बसें शुरू की जा रही हैं। इसके अलावा चंडीगढ़-दिल्ली एयरपोर्ट-गुरुग्राम तथा चंडीगढ़ से कटरा, सालासर, खाटूश्याम, हरिद्वार और अमृतसर जैसे धार्मिक स्थलों के लिए 50 नई इलेक्ट्रिक एक्सप्रेस बसें खरीदी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का भारत तेजी से बदल रहा है और हरियाणा भी आधुनिक तकनीक तथा स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में रोजगार और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। ई-वाहन निर्माण, बैटरी तकनीक, चार्जिंग स्टेशन और ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आने वाले वर्षों में हजारों नए रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य परिवहन अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए वृद्धजनों, स्वतंत्रता सेनानियों, दिव्यांगों, कैंसर पीड़ितों और विद्यार्थियों सहित 39 श्रेणियों के लोगों को मुफ्त अथवा रियायती यात्रा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हैप्पी योजना के तहत गरीब परिवारों को हरियाणा रोडवेज बसों में सालाना 1000 किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा का लाभ दिया जा रहा है।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि लगभग 7 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से तैयार यह आधुनिक इलेक्ट्रिक बस डिपो सरकार की दूरदर्शी सोच और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार परिवहन सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य कर रही है और इसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल है। इन बसों के संचालन से लाखों किलो कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और प्रदूषण नियंत्रण को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया,पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज , समालखा विधायक श्री मनमोहन भड़ाना, बीजेपी की प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त न्यूज

डॉ. अर्चना गुप्ता बनीं हरियाणा बीजेपी की नई प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता को हरियाणा भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नविन ने यह नियुक्ति घोषित की।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने मोहन लाल बड़ोली की जगह ली है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि उनके नेतृत्व में पार्टी हरियाणा में संगठन को और मजबूत करेगी तथा आगामी चुनावों के लिए नई रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार यह फैसला संगठनात्मक मजबूती, महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर भाजपा की पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

चुनाव के मद्देनज़र मोहाली में होटल, मैरिज पैलेस व गेस्ट हाउस की बुकिंग पर रोक

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन)- एस.ए.एस. नगर (मोहाली) प्रशासन ने पंजाब में होने वाले नगर कौंसिल, नगर निगम एवं नगर पंचायत चुनावों को देखते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त, पंजाब, चंडीगढ़ द्वारा 26 मई 2026 को जारी निर्देशों के तहत जिला मजिस्ट्रेट, एस.ए.एस. नगर (मोहाली) ने जिले में स्थित सभी बैंक्वेट हॉल, होटल, रिसॉर्ट, मैरिज पैलेस, क्लब, रेस्तरां, सरकारी एवं गैर-सरकारी गेस्ट हाउस तथा सराय आदि में 29 मई 2026 को होने वाली बुकिंग पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं।

प्रशासन द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, 29 मई 2026 को इन संस्थानों में ठहरने वाले सभी व्यक्तियों एवं मेहमानों की जानकारी संबंधित प्रशासन को देना अनिवार्य होगा। यह कदम चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जिला प्रशासन ने सभी होटल संचालकों, मैरिज पैलेस मालिकों एवं संबंधित संस्थानों को आदेशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पीओ पकड़ो स्टॉफ द्वारा छोटा फॉर व्हीलर चोरी मामले में आरोपी काबू

कैथल, 28 मई (कृष्ण गर्ग) पी.ओ./बेलजंपरो की धरपकड़ के लिए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम अंतर्गत पीओ पकड़ो स्टॉफ प्रभारी एसआई ओमप्रकाश की अगुवाई में एसआई सतीश कुमार द्वारा आरोपी अर्जुन नगर कैथल निवासी बिट्टू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर थाना शहर क्षेत्र बैंक कॉलोनी कैथल से 12/13 जुलाई की रात को शिकायतकर्ता के घर से एक फॉर व्हीलर चोरी करने का आरोप है। जिस बारे थाना शहर में मामला दर्ज है। उक्त मामले में आरोपी न्यायालय से जमानत हासिल करने उपरांत न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ। जिसे माननीय न्यायालय द्वारा 12 मई 2026 को पीओ घोषित किया था। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

हत्या करने के मामले में चौकी संगतपुरा पुलिस द्वारा आरोपी काबू

कैथल, 28 मई (कृष्ण गर्ग)- गांव धनौरी में एक व्यक्ति की हत्या करने के मामले में एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार चौकी संगतपुरा प्रभारी पीएसआई मन्नू की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गांव धनौरी निवासी जगन्नाथ को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव कुराड निवासी सोनू कि शिकायत अनुसार उसका मामा गांव धनौरी निवासी शमशेर बाबा का चोला धारण कर रहता था तथा मांग कर अपना गुजारा करता था। 23/24 मई की रात गांव धनौरी निवासी जगन्नाथ उर्फ जग्गन व उसका मामा शमशेर कमरे में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई।

जगन्नाथ ने शमशेर के साथ मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाई। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत डायल 112 व एम्बुलेंस की सहायता से घायल शमशेर को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल कैथल पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उसके मामा शमशेर की मौत हो गई। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त डण्डा बरामद कर लिया गया। आरोपी अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नौतपा की भीषण गर्मी में युवाओं की अनूठी पहल : शिवालिक गार्डन में राहगीरों को बांटा लाहोरी जीरा और जल जीरा

सुभाष नगर के युवाओं और महिलाओं ने मिलकर लगाई छबील, सैकड़ों लोगों को मिली तपती धूप से राहत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
28 मई (पुनीत महाजन)

नौतपा के शुरू होते ही आसमान से बरसती आग और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी को देखते हुए आज मनीमाजरा के सैक्टर-13 स्थित शिवालिक गार्डन में समाजसेवा की एक सुंदर तस्वीर देखने को मिली। यहाँ सुभाष नगर मनीमाजरा के उत्साही युवाओं, युवतियों और महिलाओं ने एकजुट होकर एक विशाल और आधुनिक छबील का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य इस चिलचिलाती धूप में सड़कों पर निकलने वाले लोगों को तत्काल शीतलता और राहत पहुंचाना था।

इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में मुख्य रूप से अरविंद कुमार, प्रिति, संदीप कुमार उर्फ रवि, विशाल सिरसवाल और जानी-मानी समाजसेविका कमलेश देवी, पुजा राय, प्रित, भाविक, काव्या सहित अन्य गणमान्य साथियों ने अग्रिम भूमिका निभाई और पूरी लगन से सेवा की।

वरिष्ठ सामाजिक प्रतिनिधियों ने थामी सेवा की कमान

युवाओं के इस सेवा भाव की हौसलाअफजाई करने के लिए मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन (चंडीगढ़) के चेयरमैन सुभाष धीमान और वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय विशेष रूप से इस छबील में पहुंचे। दोनों वरिष्ठ पदाधिकारियों ने न केवल युवाओं की इस पहल को सराहा, बल्कि स्वयं खड़े होकर राहगीरों, चालकों और बच्चों को ठंडा पेय वितरित कर समाज को सेवा का संदेश दिया।

परंपरागत छबील से अलग, लाहोरी जीरे से दी गर्मी को मात

इस छबील की खास बात यह रही कि पारंपरिक मीठे पानी के स्थान पर इस बार लोगों को लाहोरी जीरे और जल जीरे की ठंडी बोतलें वितरित की गईं, जो इस उमस भरी गर्मी में पेट को ठंडक और हाजमे को दुरुस्त रखती हैं। शिवालिक गार्डन के पास से गुजरने वाले सैकड़ों राहगीरों, महिलाओं, बच्चों और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने रुककर इस शीतल प्रसाद को ग्रहण किया और आयोजन समिति का सहृदय आभार व्यक्त किया।

उपस्थित समाजसेवियों ने कहा कि नौतपा की इस भयंकर तपन में प्यासे को पानी और राहगीर को शीतलता प्रदान करना ही सबसे बड़ा धर्म है। युवाओं का यह प्रयास अन्य लोगों को भी संकट के इस मौसम में आगे आकर मानव सेवा करने की प्रेरणा देता है।

विदेशी नशा तस्कर को 1 किलो 85 ग्राम चरस सहित किया गया काबू

3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल

कैथल, 28 मई (कृष्ण गर्ग)- नशा मुक्त हो जिला मुहीम तहत कैथल पुलिस द्वारा एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने एक विदेशी नशा तस्कर को 1 किलो 85 ग्राम चरस (सुल्फा) सहित काबू किया है। डीएसपी सुशील प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में एएसआई संदीप कुमार की टीम बस अड्डा पूंडरी क्षेत्र में मौजूद थी। सहयोगी सूत्रों से पुलिस टीम को सूचना मिली कि एनएच 152डी मोहना पुल करनाल से कैथल के नीचे एक व्यक्ति बैग में नशीला पदार्थ सुल्फा लिए हुए हैं, जो किसी ग्राहक के इंतजार में खड़ा हुआ हैं। पुलिस टीम द्वारा रेडिंग पार्टी का गठन करके उक्त स्थान एनएच 152डी मोहना पुल करनाल से कैथल के नीचे दबिश दी।

जहां एक व्यक्ति बताए हुलिए अनुसार खड़ा दिखाई दिया जो पुलिस टीम को देखकर तेज कदमों से गांव मोहना की तरफ भागने लगा। जिसे सतर्क पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति को काबु कर लिया गया। संदिग्ध व्यक्ति की पहचान वियना, ऑस्ट्रिया हाल चुहाडी जिला वलिपुरम तमिलनाडु निवासी मनुचेर रशीदी के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी कैथल रमेश चंद्र के समक्ष ली गई तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे में एक बैग अंदर रखे पॉलीथिन से 1 किलो 85 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना पुंडरी में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई तरसेम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी से व्यापक पूछताछ दौरान खुलासा हुआ की वह 2009 से इंडिया में आया हुआ है, वह तमिलनाडु में एक कम्पनी में प्राइवेट जॉब करता है तथा तमिलनाडु में अपने परिवार सहित रहता है। आरोपी हिमाचल प्रदेश अपने दोस्तों के साथ आया हुआ था, तथा हिमाचल से यह नशीला पदार्थ खरीदकर लाया है। आरोपी से व्यापक पूछताछ के लिए अदालत से 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया हैं। जिससे पूछताछ की जा रही है।

पंचायती भूमि पर 2004 से पूर्व निर्मित अवैध मकानों को नियमित करने के गांवों में शिविर लगाकर लिए जा रहे आवेदन : विवेक आर्य

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
28 मई (बृज मोहन)

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि हरियाणा विलेज कॉमन लैडस रेगूलेशन एमैडमेंट 2024 के तहत योजना का लाभ लेने वाले पात्र आवेदकों से शिविर में आवेदन जमा करवाए जाएंगे। इस योजना के तहत ग्राम पंचायतों में पंचायती भूमि पर 31 मार्च 2004 से पूर्व से निर्मित अवैध मकानों को नियमानुसार वर्ष 2004 के कलेक्टर रेट के 1.5 गुणा रेट पर नियमित किया जाएगा। इस योजना का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचने के लिए गांव स्तर पर जिला विकास एवं पंचायत विभाग की तरफ से शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में पात्र नागरिक आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि थानेसर खंड में 27 अप्रैल को गांव किरमच, मिर्जापुर, खिजरपुरा, अजरानी, बाहरी, ज्योतिसर, बगथला, 28 अप्रैल को गांव धुराला, अजराना कलां, खानपुर रोडान, सुनहेडी खालसा, बचगांव, अमीन, भिवानी खेडा, अढोण, बीड अमीन, 29 अप्रैल को लोहार माजरा, बलाही, खेडी रामनगर, आलमपुर, झिंझरपुर, जोगना खेड़ा, ईशाकपुर, बारवा, हंसाला में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी तरह 30 अप्रैल को गांव समसीपुर, हथीरा, कवांरखेड़ी, समसपुर, हिंगाखेडी, तिगरी खालसा, धुराली, 1 मई को गांव मुंडा खेडा, कैंथला खुर्द, रावगढ़, हसनपुर, संतोखपुरा, डेरा चकचकाातिया, बिशनगढ़, डोडा खेडी, 2 मई को घमुरखेडी, लुखी, चिब्बा, गामड़ी जाटान, दबखेड़ी, बारना, बहादुरपुरा, 3 मई को गांव कमौदा, खेडी ब्राह्मण, मलिकपुर, डेरा अबरावां, डेरा संत सिंह, डेरा रामनगर, अढोनी में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पिपली खंड में 27 अप्रैल को गांव बीड मथाना, बोडी, बोदला, बोहली में, 28 अप्रैल को बीड पीपली, छारपुरा, दौलतपुर, कनीपला, 29 अप्रैल को डेरा पुरबिया, डेरू माजरा, धीरपुर, धुधला, गढ़ी, गोविंद माजरा में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी तरह 30 अप्रैल को गांव हरियापुर, ईशरगढ़, जिवरेहड़ी-2, जिरबड़ी, कलाल माजरा, कड़ामी, खैरा, 1 मई को गांव खैरी, खानपुर कौलियां, किशनगढ़, कोलापुर, खेड़ी मारकंडा, खेड़ी गडियाल, खेडी मारकंडा, मसाना और मथाना में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 4 मई को मोरथला, मुकेरपुर, मुनियारपुर, पलवल, प्रतापगढ़, पट्टी कसेरला, पट्टी किशनपुरा, रामगढ़, रत्तन डेरा, समाणी, 5 मई को सांवला, सराई सुखी, शादीपुर लाडवा, शादीपुर शहीदां, शंकर कालोनी, 6 मई को सिरसला, सिरसमा, सोढी, उमरी और उंटसाल में शिविर आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बागवानी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए खोला घोषणाओं का पिटारा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
28 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री Nayab Singh Saini ने बागवानी क्षेत्र में नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय में पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, पौध कीट नियंत्रण और रोग प्रबंधन जैसे नए विषयों में मास्टर डिग्री तथा पीएचडी कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। साथ ही, 14 हॉर्टिकल्चर साइंस सेंटर किसानों को समर्पित किए गए, जो आधुनिक तकनीकों, गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री और वैज्ञानिक सलाह किसानों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री करनाल स्थित Maharana Pratap Horticultural University में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का विषय अमृतकाल में बागवानी फसलों के लिए गुणवत्ता युक्त बीज एवं रोपण सामग्री का रणनीतिक प्रतिमान रखा गया। इस अवसर पर उन्होंने बागवानी वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों को शॉल, शील्ड और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व में फलों और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है और देश में प्रतिवर्ष लगभग 360 मिलियन टन बागवानी उत्पादन होता है। बावजूद इसके, गुणवत्ता, ग्रेडिंग, रोगमुक्त पौध सामग्री और पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन की कमी के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज और पौध सामग्री से कृषि उत्पादकता में 15 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने वर्ष 2030 तक बागवानी क्षेत्र को दोगुना और उत्पादन को तीन गुना करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में 13 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं और 21 बागवानी फसलों को भावांतर भरपाई योजना के तहत शामिल किया गया है। इसके अलावा, स्मार्ट बागवानी तकनीकों जैसे हाइड्रोपोनिक्स, एरोपोनिक्स, ग्रीन हाउस और वर्टिकल फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए 1000 एकड़ क्षेत्र को विकसित करने की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण हाट मंडियां स्थापित की जाएंगी और उन्हें किसान उत्पादक संगठनों के पैक हाउस से जोड़ा जाएगा। पहली ग्रामीण हाट मंडी का उद्घाटन 23 दिसंबर 2026 को किसान दिवस पर किया जाएगा। उन्होंने टिश्यू कल्चर आधारित आलू बीज उत्पादन के लिए हरियाणा आलू बीज अधिनियम लाने की भी घोषणा की।

उन्होंने वैज्ञानिकों से कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, रोग प्रतिरोधक और जलवायु अनुकूल फसल किस्में विकसित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन देश की बागवानी नीति और अनुसंधान को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

आज का

संपादकीय

पटरी पर लौटता तीन भाषा फॉर्मूला

सीबीएसई और केंद्र सरकार के ताजा निर्णय की तारीफ की जानी चाहिए, जिसमें उन्होंने नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को पढ़ना अनिवार्य किया है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन का अगला कदम है। सीबीएसई के नए आदेश के अनुसार पहली जुलाई से देश में नौवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिनमें दो अनिवार्य रूप से भारतीय भाषाएं होंगी। अगर पहली भाषा अंग्रेजी है तो दूसरी भाषा हिंदी या अपनी मातृभाषा होगी और तीसरी भाषा के रूप में विद्यालय संविधान की आठवीं अनुसूची की कोई भी भाषा चुन सकते हैं। इसका उद्देश्य बहुभाषी समाज की तरफ बढ़ना है, जो इस देश की हकीकत भी है।

1960 के दशक में कोठारी आयोग द्वारा दिए गए तीन भाषा सूत्र का आत्मा भी यही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा उत्तर भारत की हिंदी सीखें, लेकिन कुछ राजनीतिक स्वार्थ की वजह से इसे हिंदी थोपने के रूप में दुष्प्रचार किया गया।

उत्तर भारत की शिक्षा नीति में भी यह कमी रही कि उसने दक्षिण की कोई भाषा सीखने के बजाय तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत से काम चला कर खानापूर्ति कर ली। उम्मीद है उत्तर भारत अब ऐसी गलती नहीं करेगा। दक्षिण भारत का इसीलिए आज तक यह विरोध जारी है कि जब उत्तर भारत उसकी कोई भाषा नहीं सिखाता तो दक्षिण के राज्य भी हिंदी क्यों सीखें? इसीलिए तीन भाषा फार्मूला अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया। अब सरकार की नई सुविचारित नीति के तहत यह सफल होता नजर आ रहा है।

वर्तमान में उत्तर भारत में विशेषकर अधिकांश पब्लिक स्कूलों में नौवीं कक्षा में तो एक भी भारतीय भाषा नहीं पढ़ाई जा रही। इनमें से कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जिनमें 12वीं में हिंदी का सेक्शन ही नहीं है, जबकि अंग्रेजी के अलावा बच्चों को पढ़ने के लिए जर्मन, फ्रेंच, जापानी, स्पेनिश आदि विदेशी भाषाओं के विकल्प हैं। सरकारी स्कूलों में गनीमत है कि हिंदी बची हुई है, लेकिन ज्यादातर विज्ञान के विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में भी 11वीं में हिंदी नहीं पढ़ रहे या कहें उन्हें नहीं पढ़ाई जा रही। भाषा नीति के नए आदेश का सबसे ज्यादा विरोध यही महंगे निजी स्कूल और अभिभावक कर रहे हैं। वे शिकायत कर रहे हैं कि इसे इस सत्र में ही लागू करना था तो पहली अप्रैल से क्यों नहीं किया गया। उन्हें पता होना चाहिए कि अप्रैल में शैक्षिक सत्र जरूर आरंभ हो जाता है, लेकिन पूरे देश में शिक्षा पहली जुलाई से ही शुरू होती है, इसलिए देरी की इस बात में कोई दम नहीं है। उनका दूसरा आरोप है कि हमने फ्रेंच, जर्मन भाषाओं की किताबें खरीद ली हैं और बच्चे कई वर्षों से इन भाषाओं को पढ़ रहे हैं। अब और भारतीय भाषाएं पढ़नी पड़ेंगी तो उनके बच्चों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ जाएगा। यह उनकी दसवीं के रिजल्ट को प्रभावित करेगा। उनकी यह भी शिकायत बचकानी है। उनसे बस यही कहना है कि अंग्रेजी तो वे जन्म से सीख रहे हैं। जर्मन और फ्रेंच भी उनको कभी अतिरिक्त बोझ नहीं लगते, पर अपनी मातृभाषा या अन्य देसी भाषाएं उन्हें बोझ क्यों लगने लगता है।

क्या बच्चे अपनी मर्जी से जर्मन और दूसरी भारतीय भाषा सीखते हैं? नहीं। यह अभिभावकों और स्कूल का उन पर जबरदस्ती लदा हुआ बोझ है। क्या हमारा संविधान गलत है, जिसमें हिंदी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं को आगे बढ़ाने और उसमें प्रशासन और शिक्षा देने की बात कही गई है? तीसरी भाषा के लिए सरकार ने सही राह सुझाई है कि इसमें बोर्ड की परीक्षा नहीं होगी, पाठ्यक्रम बहुत हल्का होगा और उसका मूल्यांकन भी आंतरिक होगा। इसका उद्देश्य साफ है कि उत्तर भारत के लोग दक्षिण की भाषाओं को जानें और दक्षिण के उत्तर भारत की। इससे दक्षिण का हिंदी और उत्तर भारत की भाषाओं का विरोध भी निर्मूल हो जाएगा और भाषाई एकता तो बढ़ेगी ही। आज यूरोप, अमेरिका से लेकर चीन, जापान जैसे देश इसलिए विकसित हैं, क्योंकि उनकी शिक्षा और प्रशासन अपनी भाषा में होता है, अंग्रेजी और दूसरी विदेशी भाषा में नहीं।

तीसरी भाषा कौन-सी चुनी जाए। अच्छा तो यही रहेगा कि संस्कृत के नाम पर पुरानी गलती न हो। स्कूल या प्रशासन बच्चों की सहमति से भाषा का चुनाव करें। पंजाबी, मराठी देवनागरी परिवार की भाषा हैं। बच्चों को कुछ मेहनत जरूर करनी पड़ेगी, लेकिन क्या यही मेहनत दक्षिण के राज्यों को हिंदी सीखने के लिए नहीं करनी पड़ती? इसलिए बिना देरी के इस पर अमल होना चाहिए और जो लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी के अलावा दूसरी विदेशी भाषाएं भी सीखना चाहते हैं तो उनके लिए आसमान खुला है।

बिना परीक्षा में शामिल किए यदि संभव हो तो स्कूल सिखाएं या कोई और इंतजाम करें। सब कुछ स्कूल नहीं सिखाते। हमारे चारों तरफ ऐसे हजारों लोग मिल जाएंगे जिन्होंने नौकरी, व्यवसाय के लिए अपनी जरूरत के हिसाब से विदेशी भाषाएं सीखी हैं। इसलिए अभिभावकों का सरकार पर आरोप लगाना, उसे कठघरे में खड़ा करना या सुप्रीम कोर्ट जाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। आश्चर्य है कि दो-तीन विदेशी भाषाएं पढ़ना उन्हें अपने बच्चों पर अतिरिक्त बोझ नहीं लगता, लेकिन अपनी मातृभाषा और भारतीय भाषाएं सीखने के नाम पर वे सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह अनुचित है। सरकार को किसी भी हालत में झुकना नहीं चाहिए।

अतीत और औकात मत भूलिए

इंसान का सबसे खतरनाक दुश्मन बाहर नहीं, उसके अंदर बैठा होता है। उसका नाम है भूल जाना। जब वक्त बदलता है, जेब भरती है, नाम होने लगता है, तो इंसान सबसे पहले वही भूलता है जिसने उसे यहाँ तक पहुँचाया था। वो भूल जाता है भूख को, भूल जाता है बेइज्ज़ती को, भूल जाता है उस हाथ को जिसने गिरते वक्त थामा था। और इसी भूल की कीमत वो बाद में चुकाता है- अकेलेपन, बेभरोसे और बेइज्ज़ती के रूप में।

कल तक जो दाने-दाने को तरस रहा था, आज जब उसके पास थोड़ा पैसा, थोड़ा पद, थोड़ी शोहरत आ जाती है, तो उसे लगता है कि ये सब उसकी अपनी मेहनत का करिश्मा है। वो कहता है मैंने रात-रात जागकर कमाया, मैंने बिना किसी के सहारे के खुद को खड़ा किया। सच ये है कि कोई भी अकेले ऊपर नहीं जाता। किसी ने रोटी बाँटी होगी, किसी ने रास्ता दिखाया होगा, किसी ने बस एक बार कह दिया होगा कि तू कर लेगा। छोटी लगने वाली वही मदद ही नींव बनती है। पर जब मकान बन जाता है तो लोग नींव को देखना बंद कर देते हैं। यही सबसे बड़ी नादानी है।

अतीत कोई बोझ नहीं होता, वो आईना होता है। जब तुम पीछे मुड़कर देखते हो तो समझ आता है कि तुम कहाँ से चले थे। वो टूटी खाट जिस पर सोकर तुमने बड़े सपने देखे थे, वो खाली जेब जिसमें दस रुपये भी भारी लगते थे, वो दिन जब एक कप चाय के लिए भी सोचना पड़ता था-यही वो कसौटी है जिसने तुम्हें परखा था। अगर तुम उसे भूल गए तो तुम अपने संघर्ष का ही अपमान कर रहे हो। और जो अपने संघर्ष का अपमान करता है, वक्त उसे फिर उसी मोड़ पर लाकर खड़ा कर देता है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

औकात का मतलब छोटा होना नहीं है। औकात का मतलब है अपनी जड़ याद रखना। पेड़ जितना बड़ा होता है, उसकी जड़ें उतनी ही गहरी होती हैं। अगर जड़ कमज़ोर पड़ जाए तो पहली आँधी में वही गिरता है। इंसान की जड़ उसका अतीत है, उसके लोग हैं, उसकी मेहनत है। जब तुम औकात भूलते हो तो तुम नम्रता खो देते हो। नम्रता खोते ही तुम सलाह सुनना बंद कर देते हो। बिना सलाह के इंसान सबसे तेज़ अंधेरे में भटकता है। घमंड इंसान को बोलने देता है, पर सुनने नहीं देता। और जो सुनना बंद कर दे, वो सीखना भी बंद कर देता है।

आज समाज में सबसे ज़्यादा यही देखने को मिलता है। लोग सीढ़ी पर चढ़कर सीढ़ी को लात मार देते हैं ताकि कोई उनके पीछे न आए। जो हाथ कल सहारा बना था, आज उसे झटक दिया जाता है। जो गली कल पहचान थी, आज वही शर्म बन जाती है। जो लोग कल साथ बैठकर रोटी खाते थे, आज उनके साथ फोटो खिंचवाना भी नीचे गिरना लगता है। यही से इंसान धीरे-धीरे हैवान बनता है। जब दूसरों का दर्द उसे नाटक लगे, जब ठंड में ठिठुरते हाथ उसे दिखावे लगें, जब उसे लगे कि जो मिला है वो सिर्फ मेरी मर्ज़ी से मिला है, किस्मत या लोगों के सहारे से नहीं।

पर वक्त हिसाब रखता है। वक्त सबसे बड़ा मुनीम है। वो हर लेन-देन लिखता है। आज तुमने जिसे छोटा समझकर ठुकराया, कल वही शायद उसी कुर्सी पर बैठा हो जहाँ तुम बैठना चाहते हो। इतिहास गवाह है कि घमंड में चूर राजा-महाराजा, सेठ-साहूकार, नेता-अभिनेता मिट गए। नाम उन्हीं का रहा जो ज़मीन से जुड़े रहे। मिट्टी से जुड़ा इंसान गिरता है तो फिर उठ जाता है, क्योंकि उसे पता होता है कि जड़ कहाँ है। अहसास करना है तो एक छोटा सा अभ्यास करो। आँख बंद करो और याद करो वो रात जब बिजली चली गई थी और माँ ने पंखा झला था। याद करो वो दोस्त जिसने अपने हिस्से का खाना तुम्हें दे दिया था। याद करो वो शिक्षक जिसने बिना फीस लिए तुम्हें पढ़ाया था। अब आँख खोलो और देखो आज तुम्हारे पास क्या है। गाड़ी है, फोन है, बैंक बैलेंस है, लोग सलाम करते हैं। फिर खुद से पूछो-क्या मैं वही इंसान हूँ? क्या मैं उस दोस्त को अब भी याद करता हूँ? क्या मैं किसी और के लिए वही कर सकता हूँ जो मेरे लिए किया गया था? अगर जवाब हाँ है, तो तुम अभी भी इंसान हो। अगर जवाब नहीं है, तो अभी भी वक्त है।

पैसा कमाना मुश्किल नहीं, इंसान रहना मुश्किल है। शोहरत अस्थायी है, पर व्यवहार स्थायी रहता है। लोग तुम्हारे बैंक बैलेंस को नहीं, तुम्हारे बर्ताव को याद रखते हैं। दुनिया दो तरह के लोगों को देखती है। एक वो जो ऊपर जाकर नीचे हाथ बढ़ाते हैं। दूसरे वो जो ऊपर जाकर नीचे वालों को भूल जाते हैं। पहले वाले धीरे चलते हैं पर उनकी याद रोशनी बनकर रहती है। दूसरे वाले चमकते हैं पर जल्दी बुझ जाते हैं।

समाज में अक्सर देखा है कि जब इंसान थोड़ा ऊपर उठता है तो वो अपने पुराने कपड़े, पुराना घर, पुरानी तस्वीरें सबसे पहले फेंकता है। उसे लगता है ये सब उसकी नई पहचान में बाधा हैं। पर सच ये है कि यही सब तुम्हें याद दिलाते हैं कि तुमने क्या झेला है। इन्हें संभालकर रखो। ये तुम्हारी जड़ हैं। और जड़ जितनी मजबूत होगी, पेड़ उतना ही ऊँचा जाएगा।

एक और बात समझ लो। औकात याद रखने का मतलब ये नहीं कि तुम पीछे रह जाओ। इसका मतलब है कि तुम आगे बढ़ो, पर किसी को कुचलकर नहीं। इसका मतलब है कि तुम सफल हो, पर घमंडी नहीं। इसका मतलब है कि तुम्हारे पास पैसा हो, पर दिल भी बड़ा हो। सच्ची दौलत वही है जो इंसान को विनम्र रखे। जिसके पास पैसा हो और दिल भी बड़ा हो, वही सच में धनवान है।

इसलिए जब भी लगे कि तुम बहुत बड़े हो गए हो, अपने पुराने जूते पहनकर देखना। वो तुम्हें बता देंगे कि तुमने कितना फासला तय किया है और कितना अभी बाकी है। जब भी लगे कि अब किसी की ज़रूरत नहीं, उस दिन किसी एक ऐसे इंसान की मदद करना जो आज उसी जगह खड़ा है जहाँ तुम कल थे। यही असली ब्याज है। यही असली कमाई है। अतीत और औकात मत भूलिए। क्योंकि जो मिट्टी से बना है, वो मिट्टी में ही लौटता है। और मिट्टी से जुड़ा रहने वाला कभी टूटता नहीं, सिर्फ झुकता है। और झुकने वाला ही दूसरों को सहारा दे पाता है। यही इंसानियत है, यही असली पहचान है।

संविधान बनाम सांप्रदायिक राजनीति की चुनौती

धर्म और राजनीति का घालमेल आधुनिक लोकतंत्रों के सामने सबसे बड़ी वैचारिक और व्यावहारिक चुनौतियों में से एक है। भारतीय संविधान के निर्माताओं ने भारत को एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र इसीलिए बनाया था क्योंकि वे जानते थे कि जब राजनीति में धर्म का प्रवेश होता है, तो लोकतंत्र की बुनियादी आत्मा-यानी समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व-कमजोर होने लगती है।

यहाँ इस विषय पर विस्तृत सांख्यिकीय, वैश्विक और विश्लेषणात्मक विवरण दिया गया है

1. लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों पर आघात

धर्म जब राजनीति का औजार बनता है, तो वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को गहराई से प्रभावित करता है

नागरिकों का ध्रुवीकरण : लोकतंत्र सहमति और विमर्श से चलता है, जबकि धार्मिक राजनीति हम बनाम वे के सिद्धांत पर काम करती है। इससे समाज में आपसी अविश्वास बढ़ता है।

तार्किक मुद्दों से ध्यान भटकना : जब चुनाव धर्म के नाम पर लड़े जाते हैं, तो जनता के वास्तविक और बुनियादी मुद्दे जैसे-रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई और बुनियादी ढांचा हाशिए पर चले जाते हैं।

अल्पसंख्यकों में असुरक्षा : बहुसंख्यकवादी धार्मिक राजनीति के कारण लोकतांत्रिक देशों में रहने वाले धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों में अलगाव और असुरक्षा की भावना पैदा होती है, जो राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिए घातक है।

2. वैश्विक आंकड़े और केस स्टडीज

दुनिया भर के सांख्यिकीय अध्ययन और इतिहास गवाह हैं कि जिन देशों ने राजनीति में धर्म को प्राथमिकता दी, वे या तो आर्थिक रूप से पिछड़ गए या वहां लोकतंत्र का पतन हो गया।

भक) प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े : प्यू रिसर्च के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार, दुनिया के जिन देशों में सरकारें धर्म को राजनीति या राष्ट्र की पहचान से कड़ाई से जोड़ती हैं, वहां सामाजिक विद्वेष का सूचकांक बहुत ऊंचा रहता है।

देश का प्रकार सामाजिक तनाव/हिंसा का स्तर नागरिक स्वतंत्रता

कट्टर धार्मिक/थियोक्रेटिक देश (जैसे- पाकिस्तान, ईरान) अत्यधिक उच्च न्यूनतम (भाषण और अभिव्यक्ति की आजादी पर कड़ा पहरा) पंथनिरपेक्ष/सेक्युलर लोकतंत्र (जैसे- स्कैंडिनेवियन देश, फ्रांस) न्यूनतम उच्चतम (समानता और मानव अधिकारों को प्राथमिकता)

ख) वैश्विक उदाहरण

1. पाकिस्तान (पड़ोसी देश का हश्र)- 1947 में विभाजन के बाद पाकिस्तान ने खुद को एक इस्लामिक गणराज्य घोषित किया। राजनीति में धर्म के अत्यधिक दखल के कारण वहां कभी भी लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सका। परिणाम: बार-बार सैन्य तख्तापलट, आर्थिक कंगाली और चरमपंथ।

2. यूरोप का इतिहास (द डार्क एजेस)- मध्यकाल में जब यूरोप में चर्च का राजनीति और सत्ता पर सीधा नियंत्रण था, तब उस दौर को अंधकार युग कहा गया। जब यूरोप ने चर्च और राज्य को अलग किया, तभी वहां पुनर्जागरण और आधुनिक लोकतंत्र का जन्म हुआ।

मोती राम चौहान
करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

3. भारतीय संदर्भ : संवैधानिक मर्यादा और चुनौतियाँ

भारत जैसे बहु-धार्मिक और विविधता से भरे देश के लिए राजनीति में धर्म का समावेश और भी अधिक विनाशकारी साबित हो सकता है।

> संवैधानिक सुरक्षा कवच:* *भारतीय संविधान की प्रस्तावना में पंथनिरपेक्ष शब्द शामिल है। इसके अलावा अनुच्छेद 25 से 28 हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देते हैं, लेकिन इसका मतलब यह है कि राज्य का अपना कोई आधिकारिक धर्म नहीं होगा।

> राजनीति में धर्म के समावेश से उत्पन्न खतरे (आंकड़ों के आईने में):

सांप्रदायिक हिंसा की आर्थिक कीमत: इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी देश में होने वाली सांप्रदायिक या आंतरिक हिंसा से देश की जीडीपी को भारी नुकसान होता है। भारत में दंगों और सुरक्षा पर होने वाला खर्च विकास कार्यों में बाधा डालता है।

आपराधिक छवि के नेताओं का उभार - एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट बताती हैं कि ध्रुवीकरण की राजनीति के दौर में, राजनीतिक दल उम्मीदवारों की योग्यता या उनकी बेदाग छवि देखने के बजाय केवल जिताऊ क्षमता देखते हैं, जो अक्सर धार्मिक भावनाओं को भड़काकर हासिल की जाती है।

4. लोकतंत्र के तीन स्तंभों पर धार्मिक राजनीति का प्रभाव

धार्मिक तुष्टिकरण या बहुसंख्यकवाद की राजनीति लोकतंत्र की संस्थाओं को अंदर से खोखला करती है

1. विधायिका जनहित के कानूनों के बजाय ऐसे प्रतीकात्मक या भावनात्मक मुद्दों पर कानून बनाने में समय और संसाधन नष्ट होते हैं जिनका आम आदमी के आर्थिक विकास से सीधा संबंध नहीं होता।
2. कार्यपालिका जब सत्ता का झुकाव किसी खास धार्मिक एजेंडे की तरफ होता है, तो प्रशासनिक मशीनरी और पुलिस निष्पक्ष रूप से काम नहीं कर पाती। इससे कानून के शासन पर से जनता का भरोसा उठता है।
3. न्यायपालिका अदालतों पर भी भावनात्मक और धार्मिक विवादों (जैसे जमीन, इबादतगाहों के विवाद) का बोझ इतना बढ़ जाता है कि गंभीर नागरिक और संवैधानिक मामले लंबित रह जाते हैं।

5. समाधान स्वस्थ लोकतंत्र के लिए क्या जरूरी है?

यदि भारतीय लोकतंत्र को दुनिया का मार्गदर्शक बने रहना है, तो राजनीति और धर्म के इस घातक मिश्रण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे:

कठोर कानून और उनका क्रियान्वयन : जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत चुनाव में धर्म या जाति के नाम पर वोट मांगना एक भ्रष्ट आचरण है। चुनाव आयोग को इस नियम का उल्लंघन करने वाले नेताओं और दलों पर आजीवन प्रतिबंध लगाने जैसी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

विकास-आधारित राजनीति मतदाताओं को अपनी चेतना बदलनी होगी। जब तक जनता नेताओं से स्कूल, अस्पताल, रोजगार और बुनियादी ढांचे पर सवाल नहीं पूछेगी, तब तक नेता भावनात्मक मुद्दों की आड़ लेते रहेंगे।

सच्ची पंथनिरपेक्षता : धर्म को पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था का विषय माना जाना चाहिए। सार्वजनिक जीवन और शासन व्यवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किकता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

निष्कर्ष - धर्म इंसान को नैतिक बनाता है और राजनीति समाज को व्यवस्थित करती है। दोनों अपने-अपने स्थान पर श्रेष्ठ हैं। लेकिन जब धर्म राजनीति के सिंहासन पर बैठता है, तो वह अंधविश्वास और नफरत को जन्म देता है; और जब राजनीति धर्म का इस्तेमाल करती है, तो वह लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदल देती है। एक जीवंत और समृद्ध लोकतंत्र के लिए यह अनिवार्य है कि राज्य की नीतियां किसी धर्मग्रंथ से नहीं, बल्कि देश के संविधान से संचालित हों।

गिरता भूजल स्तर बहुत बड़ी चुनौती

गर्मियों में भूजल स्तर गिरने से जल शक्ति विभाग सहित जनता की समस्याएं बढ़ जाती हैं।प्रचंड गर्मी का मौसम किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं आंका जा सकता है।प्रत्येक बर्ष गर्मी ग्राफ में बृद्धि होना चिंताजनक है।वर्तमान समय हिमाचल प्रदेश की कुल 10658 पेयजल योजनाओं में 197 में सूखे की मार सबसे अधिक पड़ी की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है।राजधानी शिमला जोन में 5470 पेयजल योजनाओं में 27 शून्य से 25 फीसदी प्रभावित,17 योजनाएं 25 से 50,मंडी जल शक्ति विभाग जोन की पेयजल योजनाओं 2403 में 20 पर 25 प्रतिशत असर पड़ा है।

हमीरपुर में 1145 में से 75 पर जीरों से 25 और 21 पेयजल योजनाओं में 25 से 50 प्रतिशत तक प्रभाव पड़ा है।धर्मशाला जोन में कुल 1640 पेयजल योजनाओं में 33 पर 75 प्रतिशत तक प्रभावित हैं।जल सरंक्षण को लेकर सरकारें अब गंभीर बनने जा रही है।

निकटतम भबिष्य में जल की कमी न आए इसके लिए केंद्र सरकार ने एक योजना बनाई है। योजना में अब बिना सरकार की अनुमति से जल स्त्रोतों का निर्माण नहीं किया जाएगा।जमीन के अंदर पानी का जल स्तर दिनोंदिन कम होने कारण भविष्य में इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा।पानी की एक एक बून्द कीमती ,इसे ब्यर्थ न गवाएं।जल ही जीबन, यह सब बातें कहने,सुनने और पढ़ने में ही अच्छी लगती हैं।सच बात तो यह कि हम लोग पानी की कीमत की सही पहचान न करके उसे व्यर्थ ज्यादा बेकार बहा रहे हैं।जनता के अलाबा जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली सही न रहने की बजह से अक्सर पानी की पाइपों में रिसाव होता रहता जिसे ठीक करने की कोई जहमत नहीं उठाता है।ऐसे में जल सरंक्षण के लिए चलाए गए अभियान का क्या औचित्य रह जाता है।घटती पेड़ों की तादाद और बढ़ते जा रहे अबैध खनन की बजह से जल स्त्रोत सूखने की कगार पर पहुँच चुके हैं।प्रकृति से जब भी खिलबाड़ करने की कोशिश की गई इसके विपरीत परिणाम इंसान को ही भुगतने पड़े हैं।

सरकारों ने करोड़ों रुपये खर्च करके जितने ज्यादा जल स्त्रोत स्थापित करके जनता को राहत पहुँचाने की पहल की,उतनी ही पानी की समस्याएं अब ज्यादा पनपती जा रही हैं।नतीजन पानी अभाब के चलते नलकूप,हैडपम्प,कुहलें,तालाब, बाटर सप्लाई,बाबड़ियाँ,खडड और कुएं तक प्रभावित हो रहे हैं।बिना पानी हैडपम्प और कई वाटर सप्लाई सफेद हाथी बनकर रह गई हैं।

वाटर टैंक पानी एकत्रित करने के लिए बनाए तो गए,मगर बिना पानी बह भी खूंटे ही बन चुके हैं।गर्मियों की दस्तक देते ही हर जगह पानी की समस्याएं पनपनी शुरू हो जाती हैं।जल स्त्रोतों में ही पानी पर्याप्त मात्रा में एकत्रित न होना बिभाग के लिए भी परेशानी बन कर रह जाता है।

जल स्त्रोतों पर करोड़ों रुपयों का बजट सरकारों का व्यर्थ ही खर्च हो गया जिसका जनता को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।जल शक्ति विभाग सूख चुकी ऐसी पेयजल योजनाओं की जगह दूसरी वाटर सप्लाई के पानी से जनता की जरूरत पूरी करने की कोशिशें कर रहा है।सबाल यह है कि आखिर किस तरह भबिष्य में जल स्त्रोतों में पानी का जल स्तर सही रखा जाए इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

अगर समय रहते पानी की कमी से बिकराल बनने बाली इस समस्या का समाधान नहीं सोचा गया तो लीटरों के हिसाब से पानी लेने के लिए अभी से तैयार रहना होगा।जंगल के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलती रहने से उनका अस्तित्व खतरे में हैं।जंगलों में अबैध कटान काफी समय से होता आ रहा है,लेकिन जनता के सहयोग बिना बन बिभाग भी उनकी रक्षा करने में सफल नहीं हो पा रहा है। गर्मियों के मौसम में अक्सर लोग अपने लाभ के लिए जंगलों में आग लगा देते हैं। जंगलों में आगजनी की बजह से कीमती बन सम्पदा बर्बाद हो रही है।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार नूरपुर

पेड़ों की और से छोड़ी जाने बाली आक्सीजन से इंसान जीवित है।पेड़ों की कमी की बजह से ही बारिश अब बेमौसमी कभी कभार ही पड़ रही है।बारिश का समय पर न पड़ना किसानों को खेतीबाड़ी से बेमुख करता जा रहा है।हर साल किसानों की फसलें सूखे की भेंट चढ़ती जा रही हैं। जंगलों में अबैध कटान होना और बन भूमि पर अबैध कब्जे होने से भी बनों का अस्तित्ब खतरे में है।हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने के बाबजूद भी जहां पर्यावरण में जमीन आसमान का अंतर आ गया है।पहाड़ों से बहनें बाले पानी के झरने सूखते जा रहे और जंगलों में पेड़ों की कमी कारण अक्सर भूस्खलन की घटनाओं में बडौतरी हो रही है।पेड़ों की जड़ें जमीन के अंदर पहाड़ों को जकड़कर रखने से ही जंगलों का अस्तित्ब बरकरार रहता आया है।जमीनों में रसायन खादों का ज्यादा इस्तेमाल करने से उसमें नमी की कमी हो जाती और इसलिए फसलों को सिंचाई के लिए पानी की अत्यधिक जरूरत होती है।प्रदेश सरकार ने भले ही नई खनन नीति बनाकर अबैध खनन पर रोक लगाने की सराहनीय पहल की है।मगर खड्डों में इस कदर बेतहाशा अबैध खनन हो चुका है जिसका प्रभाब जल स्त्रोतों पर पड़ चुका है।कुहलों,नहरों और नलकूपों में पानी की कमी की बजह से फसलों की सिंचाई नहीँ हो पा रही है।

प्रदेश के मालिया हेंडपंपों की हालत किसी से छुपी नहीं जो बिना पानी के खूंटे बन चुके हैं।अक्सर खड्डों में पानी बहता रहता था जो कि जमीन के अंदर पानी की पर्याप्त मात्रा होने का एहसास करवाता था।हालात आज इस कदर बद्तर बन चुके कि खडडे बिल्कुल सूखती जा रही हैं।केंद्र सरकार की और से चलाए गए स्वछता अभियान के तहत हिमाचल प्रदेश को शौच मुक्त राज्य का दर्जा मिल चुका है।सरकार की और से जरूरत मंद लोगों को शौचालय बनाने के लिए आर्थिक मदद भी की जा रही है।

सरकार का यह अभियान काबिलेतारीफ है ताकि कोई भी इंसान खुले में शौच करके पर्यावरण को दूषित न कर सके।अभियान के तहत लगभग घरों में शौचालय बन गए और हजारों लीटर पानी टंकियों में एकत्रित करके रखना सबकी जरूरत बन चुका है।आम आदमी को पानी अब पर्याप्त पीने के लिए भी नसीब नहीं हो रहा तो शौचालय किसने देखे हैं।महिलाओं को अब कपड़े साफ और बर्तन धोने के लिए भी पानी कम इस्तेमाल करना होगा।पेड़ों की कमी कारण लोगों को स्वच्छ आक्सीजन न मिलने कारण उन्हें मजबूरन घरों में ही दुबके रहना पड़ रहा है।सरकारें पंचायतों का विकास किए जाने को लेकर जल सरंक्षण के लिए तालाबों,कुओं, बाबड़ियाँ, कुहलों की मरम्मत और वाटर टैंक बनाने के लिए करोड़ों रुपयों का बजट बांट रही हैं।पेड़ों की कमी कारण जब बारिशें ही नहीं होगी तो ऐसे बजट खर्च करने का लाभ कौन उठा सकता है।आम जन मानस को पहले पेड़ों के मिटते बजूद को बचाने के लिए आगे आकर नई पेड़ लगाने होंगे।

फसलों,सब्जियों की सिंचाई के लिए नलकूप लगाए गए,पानी का सही इस्तेमाल हो इसके लिए योजना बनाने की जरूरत है।ऐसे पेड़ लगाने से भी बचना होगा जो जमीन के अंदर पानी को ही सूखते जा रहे हैं।पेड़ों के कटान और अबैध खनन पर प्रतिबंध होने से ही जल सरंक्षण और बिगड़ते पर्यावरण से मानबता को बचाया जा सकता है।स्कूल,कालेजों में राष्ट्रीय सेवा योजना कि इकाइयों से हमेशा पौधारोपण करबाना चाहिए।आईपीएच बिभाग को सार्बजनिक स्थानों पर बेकार बहने बाले पानी को बचाने के लिए प्राथमिकता से अभियान चलाना होगा।

संक्षिप्त न्यूज

बड़सर में बड़ा राजनीतिक उलटफेर

पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी के भाई विजय ढटवालिया अपनी ही गृह पंचायत से हारे

हमीरपुर (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश के बड़सर विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक हलकों से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। बड़सर में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर हुआ है, जहां साल 2024 के विधानसभा उप-चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रहे सुभाष ढटवालिया के भाई विजय ढटवालिया अपनी ही गृह पंचायत कलवाल से चुनाव हार गए हैं।

इस कड़े मुकाबले में स्थानीय प्रत्याशी सुरेश कुमार ने विजय ढटवालिया को मात देकर शानदार जीत दर्ज की है।

कलवाल पंचायत के चुनावी नतीजे बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर वाले रहे। हार-जीत का फैसला बेहद मामूली अंतर से हुआ। विजेता सुरेश कुमार को 542 वोट जबकि उप-विजेता विजय ढटवालिया को 500 वोट मिले।

बच्चे करेंगे कविता पाठ, भाषण व लघु नाटक का आयोजन

बीबीएन, 28 मई(तारा) - संत निरंकारी मिशन बरोटीवाला शाखा की ओर से 29 से 31 मई तक बाल समागम का आयोजन होगा। बद्दी के सनसिटी रोड़ पर स्थित निमंत्रण पैलेस में इस समागम को लेकर स्थानीय निरंकारी संगत और बच्चों में उत्साह देखा जा रहा है। निरंकारी मिशन के क्षेत्रीय प्रभारी विवेक कालिया ने बताया कि समागम की शुरुआत सुबह 11ः00 बजे से होगी, जो दोपहर 2ः00 बजे तक चलेगा। इस समागम की अध्यक्षता पंजाब के अमृतसर के भाई साहब परमजीत मोमन करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस अनूठे बाल समागम में 27 शाखाओं से सैकड़ों बच्चे भाग लेंगे। बच्चे अपनी कविताओं, गीतों, भाषणों और लघु नाटकों के माध्यम से समाज को आपसी प्रेम, भाईचारा, बड़ों का सत्कार और मानवीय मूल्यों का सुंदर संदेश देंगे। संत निरंकारी मंडल की बरोटीवाला शाखा ने शहरवासियों से आग्रह किया कि वह इस आध्यात्मिक समागम में शामिल होकर इसका लाभ उठाएं।

जिला परिषद एवं पंचायत समितियों के मतपत्रों की मतगणना की रिहर्सल आयोजित

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- विकासखंड सदर बिलासपुर के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव-2026 के लिए जिला परिषद एवं पंचायत समिति के मतपत्रों की मतगणना की रिहर्सल का आयोजन किसान भवन बिलासपुर में एसडीएम डॉ. राजदीप सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

इस रिहर्सल में लगभग 130 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। रिहर्सल का उद्देश्य मतगणना प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न करवाने के लिए कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान करना रहा। इस अवसर पर विकास खंड अधिकारी सदर विजय कुमार तथा जिला अंकेक्षण अधिकारी एवं नोडल अधिकारी (प्रशिक्षण) विश्वनाथ शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने मतपत्रों की गिनती, रिकॉर्ड संधारण तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के पालन के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

एसडीएम डॉ. राजदीप सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

पंचायती राज संस्थाओं के दूसरे चरण के चुनाव में शतायु मतदाताओं ने भी दिखाया जोश

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- जिला बिलासपुर में पंचायती राज संस्थाओं के दूसरे चरण में आज शतायु मतदाताओं ने भी विभिन्न मतदान केंद्रों में पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जीवन का शतक लगा चुके बुजुर्गों के हौसले को देखकर जहां हर कोई इनकी सराहना कर रहा है तो वहीं लोकतंत्र में मतदान के महत्व के प्रति समाज को एक सकारात्मक सोच भी दे रहे हैं।

बुजुर्गों का यह हौसला मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत भी बना है। जिला में दूसरे चरण के चुनाव में आज कसारू ग्राम पंचायत की 108 वर्षीय रूपा देवी, दकडी पंचायत की 107 वर्ष की मनभंरू देवी, हरनोडा के 106 वर्ष के संतराम, ग्राम पंचायत बल्हसीणा की 100 वर्षीय नरैण देई सहित अन्य शतायु मतदाताओं ने मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान में भाग लिया।

इसी दौरान जुखाला के मतदान केंद्र नलवाड में एक वरिष्ठ नागरिक ने बीमारी के चलते ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ मतदान केंद्र में पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बीमारी की अवस्था में भी मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने शतायु मतदाताओं के साथ-साथ अस्वस्थ वृद्ध मतदाताओं के हौसले की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस पर्व में इनकी भागीदारी न केवल दूसरे मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित करेगी बल्कि युवाओं के लिए वह एक प्रेरणा स्त्रोत भी बने हैं।

पंचायत चुनावों में हार देख मैदान से भाग गई कांग्रेस : जयराम ठाकुर

आरोपः कैबिनेट की बैठक कर लोकलुभावन फैसले लेकर लोगों को लुभाने का किया प्रयास

» प्रथम न्यूज । मंडी
28 मई (एएम नाथ)

पंचायतीराज चुनावों में अपनी हार देख कांग्रेस पार्टी मैदान छोड़कर भाग गई है। स्थानीय निकाय चुनाव में जीत के बड़े-बड़े झूठे दावे करने के बाद अब कांग्रेस नेता जनता से मुँह छिपाते फिर रहे हैं। सत्ता के इस सेमीफाइनल में जिस प्रकार से जनता ने भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन और विश्वास दिखाया है उससे कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने वीरवार को अपने आवास पर प्रथम चरण में जीत हासिल कर मिलने पहुंचे नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से भेंट के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को आभास हो चुका था कि इस बार पंचायत चुनावों में बुरी तरह पीटेंगे तो इन्होंने चुनाव से दूरी बनाना ही उचित समझा। मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम निकलते ही झूठे आंकड़े पेश कर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया लेकिन प्रथम चरण चुनाव में ही उन्हें

निराशा मिली। आनन-फानन में आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर बिना चुनाव आयोग को सूचित किये कैबिनेट की बैठक कर डाली और ऐसे निर्णय लेकर लोगों को लुभाने का प्रयास किया ताकि जनता कांग्रेस के पक्ष में वोट करे लेकिन जनता इनकी चालाकी समझ चुकी है। इनके लोकलुभावन फैसलों की परवाह किए बगैर जनता ने भाजपा के साथ चलना स्वीकार किया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को झूठ के सहारे जनता के वोट हासिल करने की आदत पड़ गई है लेकिन इस बार जनता ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया। कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा चुनाव से पहले झूठी गारंटियों के सहारे जनता को ठगने का प्रयास किया था और इस बार फिर स्थानीय निकाय में 50-50 लाख से लेकर एक करोड़ तक में पार्षदों को खरीदने का प्रयास किया।

पंचायत चुनाव में भी मतदान से एक दिन पहले कैबिनेट में कई घोषणाएं और फैसले लेकर जनता को ठगने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के इन पैंतरों से अब कोई फायदा उन्हें नहीं मिलने वाला है। जनता ने ठान लिया है कि जिस सरकार ने उनके साथ झूठी गारंटियां देकर छल किया है उस कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना है। जयराम ठाकुर ने जनप्रतिनिधियों को विश्वास दिलाया कि उन्हें कहीं भी विकास कार्यों में अनदेखी होने नहीं दी जाएगी और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए विकास को बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों में करवाया जाएगा।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि ईमानदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें और अपने अपने इलाकों में विकास के कार्यों को आगे बढ़ाएं। हमारा क्षेत्र आपदा के कारण बहुत नुकसान झेल चुका है और लोगों को इस संकट से बाहर निकालने में जुट जाएं।

24 घंटे में सकुशल बरामद हुई नाबालिग, कुमारसैन पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घर से लापता 17 वर्षीय लड़की को पुलिस ने कोटगढ़ से खोज निकाला

» प्रथम न्यूज । शिमला
28 मई (बी.शर्मा)

जिला शिमला पुलिस के अंतर्गत पुलिस थाना कुमारसैन को एक शिकायत प्राप्त हुई थी कि 17 वर्षीय नाबालिग लड़की अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की। इस संबंध में पुलिस थाना कुमारसैन में अभियोग संख्या 40/2026 दिनांक 27 मई 2026 को धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में तलाश अभियान चलाया और लगातार पूछताछ की। पुलिस की त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप नाबालिग लड़की को मात्र 24 घंटे के भीतर 28 मई 2026 को कोटगढ़ क्षेत्र के जरोल से सकुशल बरामद कर लिया गया।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि नाबालिग लड़की बिना किसी को बताए घर से चली गई थी। हालांकि, पुलिस की सतर्कता और सक्रियता के कारण उसे सुरक्षित ढूंढ लिया गया। इस कार्रवाई को जिला शिमला पुलिस की संवेदनशील पुलिसिंग और जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में आगामी नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। नाबालिग लड़की का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा तथा उसके बयान दर्ज किए जाएंगे। सभी आवश्यक कानूनी एवं औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद नाबालिग लड़की को उसके परिजनों एवं अभिभावकों के सुपुर्द किया जाएगा।

जिला पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध परिस्थिति या लापता व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बुजुर्गों, दिव्यांगों और नए युवा मतदाताओं ने भी दिखाया उत्साह

विधायक सुरेश कुमार ने भी अपनी धर्मपत्नी के साथ किया मतदान

हमीरपुर (ब्यूरो)- पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण में जिला हमीरपुर की 82 ग्राम पंचायतों में वीरवार को हुए मतदान में बुजुर्गों, दिव्यांगों और नए युवा मतदाताओं ने भी काफी उत्साह दिखाया। विकास खंड भोरंज की ग्राम पंचायत दसमल के 116 वर्षीय खड़कू राम ने वार्ड नंबर-3 के बूथ पर वोट डाला।

विकास खंड बमसन की ग्राम पंचायत बारीं की 103 वर्षीय दमोदरी देवी ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला बारीं के मतदान केंद्र पर मतदान किया। भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने सुलगवान में स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला जाहू कलां के मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ग्राम पंचायत बधानी के जिजवीं वार्ड में 85 वर्षीय विमला देवी और कई नए युवा मतदाताओं ने मतदान किया। इसी प्रकार, जिला के अन्य मतदान केंद्रों पर भी लोगों ने पूरे उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

गेयटी थियेटर में सजेगा रंगमंच उत्सव, 8 से 12 जून तक होंगे नाटक मंचन

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव 2026 में रंगमंच कला का होगा भव्य प्रदर्शन, 'ज़हर' से होगा आगाज, 'अनारो' के साथ संपन्न होगा रंग मंच उत्सव

» प्रथम न्यूज । शिमला
28 मई (बी.शर्मा)

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव 2026 के अंतर्गत ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में 8 जून से 12 जून 2026 तक द शिमला ग्रीष्मोत्सव - रंग मंच उत्सव का आयोजन किया जाएगा। पांच दिवसीय इस सांस्कृतिक उत्सव में प्रतिदिन विभिन्न प्रतिष्ठित रंगमंच संस्थाओं द्वारा नाटकों का मंचन किया जाएगा। जिला प्रशासन शिमला द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध रंगमंच परंपरा, लोक संस्कृति और कला को बढ़ावा देना है।

उपायुक्त शिमला एवं ग्रीष्मोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अनुपम कश्यप ने बताया कि शिमला ग्रीष्मोत्सव

हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि गेयटी थियेटर जैसे ऐतिहासिक स्थल पर आयोजित होने वाला यह रंग मंच उत्सव कला प्रेमियों और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

नाट्य उत्सव का शुभारंभ 8 जून को नाट्यनुकृति शिमला द्वारा प्रस्तुत नाटक ज़हर से होगा। 9 जून को दी प्लेटफॉर्म संस्था हास्य और व्यंग्य से भरपूर नाटक डबल ट्रबल का मंचन करेगी। 10 जून को शिमला एक्टिंग अकैडमी द्वारा मन के भँवर नाटक प्रस्तुत किया जाएगा, जो मानवीय भावनाओं और जीवन संघर्षों पर आधारित होगा।

11 जून को दी बिगनर्स संस्था हिमाचली संस्कृति से प्रेरित नाटक बिष्टी लाणि का मंचन करेगी। वहीं, 12 जून को ध्रुवशिखर शिमला द्वारा प्रसिद्ध नाटक अनारो की प्रस्तुति के साथ उत्सव का समापन होगा। यह नाटक महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से दर्शाएगा।

आयोजन समिति के अनुसार उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में कला प्रेमियों, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों के पहुंचने की संभावना है। दर्शकों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बिलासपुर में सकुशल बकरीद, लाखों ने पड़ी नमाज, दुआ के लिए एक साथ उठे लाखों हाथ

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
28 मई (धर्मपाल)

कुर्बानी के जज्बा से भरपूर ईद ,उल जुहा का वार्षिक त्यौहार हर्षोल्लास सहित जिला में मनाया गया सुबह 8ः30 बजे के लगभग मस्जिदों में नमाज अदा हुई है बरठी , घुमारवीं ,चकली , टकरेड़ा , झंडुता ,कोठीपुरा ,सवारघाट, इलेवाल आदि जिला मस्जिदों में सौहार्दपूर्ण वातावरण में नमाज अदा हुई बच्चे बूढ़े व जवान सुबह से ही सज धज कर पारंपरिक परिधान पहनकर जिला मस्जिदों में एकत्रित हुए व छोटे-बड़े अमीर गरीब सभी भेदभाव मतकर एक ही स्थल पर एकत्रित होकर यहां नमाज अदा की है डीयारा सेक्टर की दोनों मस्जिदों में भी नमाज अदा हुई है मुखिया जामा मस्जिद रौड़ा सेक्टर में भारी संख्या में नमाजी सुबह ही एकत्र होना शुरू हो गए व मस्जिद में भारी भीड़ रही वहां मौलाना ताजुद्दीन ने ईद उल जुहा की वाजिब नमाज से तकबीरों सहित पढ़ाई है व दो खुत्बा प्रवचन भी उपस्थित नमाजियों को सुनाएं हैं नमाज में मौलाना ने भाईचारा मेल, मिलाप में वृद्धि व शांति खुशहाली तथा सभी की तरक्की व सुरक्षा

की विशेष दुआएं ईद के मौके पर की है प्रदेश वह देश में अमन शांति भाईचारा व धनिष्ठता इत्यादि की दुआएं भी की सबके लिए चैन सुकून वह सभी की हिफाजत भरी जिंदगी आज अल्लाह से मांगी है खुशनुमा मौसम में आज नमाज उपरांत लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद कहीं वह आपसी संबंधों में घनिष्ठता दर्शीई अन्य संविधान के लोगों ने भी ईद की मुबारकबाद आज मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद कहीं नमाज के फौरन बाद बड़े बकरों की कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ जो जिला भर में 3 दिन तक जारी रहेगा रिश्तेदारी में भी दावतों का क्रम शुरू है लोग एक दूसरे के घर पहुंच कर जर्दा ,कोरमा ,बिरयानी व लजीज व्यंजनों भरी दावतों का भरपूर आनंद ले रहे हैं जिससे आपसी संबंधों में भी मधुरता आ रही है व मेल मिलाप में भाईचारे का भी माहौल बना हुआ है मस्जिद प्रबंधन समिति बिलासपुर ने सभी आगंतुकों व मेहमानों के लिए लजीज व्यंजन कोरमा आदि का उत्तम प्रबंध किया हुआ है

अंतिम पैगंबर मोहम्मद ने भी दो बकरों एक अपने नाम का व एक समुदाय के नाम से कुर्बानी करके यह सिलसिला आगे बढ़ाया है जिसका अनुसरण मुस्लिम समुदाय आज जोश पूर्वक ढंग से पूरा करता है कुर्बानी के जज्बा से भरपूर यह त्यौहार जहां सुख समृद्धि दर्शाता है वही आपसी संबंधों में मेल मिलाप और भाईचारे में भी वृद्धि दर्शाता है सभी तीज त्यौहार हम सब की साझी सांस्कृतिक विरासत है जो उन्नत प्राचीन सभ्यताओं को दर्शाता हैं त्यौहार मिलजुल कर ही मनाए जाने चाहिए

प्रधान नसीम मोहम्मद जिला मुस्लिम वेलफेयर कमेटी बिलासपुर

पत्नी के साथ खड़े रहने के लिए IAS अधिकारी ने छोड़ी नौकरी

मानवीय संवेदनाओं की मिसाल बने राममूर्ति सेल्वम

शिमला (बी शर्मा)- हिमाचल कैडर के वर्ष 2001 बैच के वरिष्ठ ढ्ढस् अधिकारी राममूर्ति सेल्वम ने मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक जिम्मेदारी की अनूठी मिसाल पेश की है। अपनी ईमानदार कार्यशैली और दक्ष प्रशासनिक क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले इस अधिकारी ने पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य संकट के दौरान अपने शानदार प्रशासनिक करियर को अलविदा कह दिया।

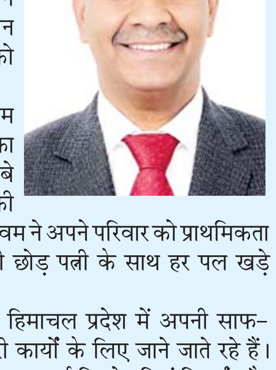

जानकारी के अनुसार राममूर्ति सेल्वम की धर्मपत्नी एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई थीं, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक विशेष देखभाल और सहारे की आवश्यकता थी। ऐसे कठिन समय में सेल्वम ने अपने परिवार को प्राथमिकता देते हुए बड़ा फैसला लिया और नौकरी छोड़ पत्नी के साथ हर पल खड़े रहने का निर्णय किया।

तमिलनाडु मूल के राममूर्ति सेल्वम हिमाचल प्रदेश में अपनी साफ-सुथरी छवि, ईमानदारी और जनहितकारी कार्यों के लिए जाने जाते रहे हैं। प्रशासनिक सेवा में रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं और अपनी कार्यकुशलता से अलग पहचान बनाई।

उनके इस निर्णय को केवल एक निजी फैसला नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और रिश्तों के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। समाज में जहां अक्सर करियर को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, वहीं राममूर्ति सेल्वम ने यह संदेश दिया कि परिवार और मानवीय संवेदनाएं जीवन में सबसे महत्वपूर्ण हैं।

वैभव सूर्यवंशी अगर ऑक्शन में उतरे तो टूटेंगे सभी रिकॉर्ड! वीरेंद्र सहवाग ने बताया कितने करोड़ रुपये की बोली लगेगी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने बल्ले से हाहाकार मचा रखा है। वह हर मैच के साथ एक नया इतिहास रच रहे हैं। बुधवार को 19वें सीजन के एलिमिनेटर मैच में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद गेंदबाजों की क्लास लगाई। वैभव ने पैट कमिंस को तारे दिखा दिए और उनके ओवर में सिक्स की हैट्रिक लगाई।

सबसे तेज शतक से चूके

वैभव ने इस मुकाबले में एतिहासिक पारी खेली और राजस्थान को जीत दिलाई। उन्होंने 12 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 29 गेंदों पर 97 रन की धुंआधार पारी खेली।

हालांकि, वैभव क्रिस गेल के सबसे तेज आईपीएल शतक का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए गेल ने आईपीएल 2013 में राइजिंग पुणे के खिलाफ 30 गेंदों पर सैकड़ा ठोक दिया था।

30 करोड़ रुपये मिलेंगे

वैभव की बल्लेबाजी के बारे में कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह उसे कितने पैसे देंगे। सहवाग ने बिना किसी झिझक के कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा कि वह इस रकम से सहमत हैं।

राजस्थान ने इतने में खरीदा था

आईपीएल 2025 से पहले हुए ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को 1 करोड़ 10 लाख में खरीदा था। 19वें सीजन से पहले राजस्थान ने उन्हें रिटेन किया था। मौजूदा सीजन में वैभव सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह 15 मैच की 15 पारियों में अब तक 680 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनकी औसत 45.33 की और स्ट्राइक रेट 242.86 की रही है। आईपीएल 2026 में वैभव अब तक 55 चौके और 65 छक्के ठोक चुके हैं। वैभव ने 610 रन तो सिर्फ बाउंड्री से ही बनाए हैं।

पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने फिर रचा इतिहास, जैवलिन में बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

भारतीय पैरा एथलेटिक्स के स्टार खिलाड़ी सुमित अंतिल ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने बुधवार को आयोजित इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की जैवलिन थ्रो एफ64 स्पर्धा में नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

हरियाणा के सोनीपत निवासी 27 वर्षीय सुमित ने भाले को 74.82 मीटर दूर फेंककर अपना ही पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उनका विश्व रिकॉर्ड 73.29 मीटर था, जिसे उन्होंने 2022 एशियन पैरा गेम्स में बनाया था।

लगातार शानदार प्रदर्शन

सुमित अंतिल पिछले कुछ वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

- *2020 समर पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता।*
- *2024 समर पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदर अपने नाम किया।*
- *2023, 2024 और 2025 की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिताब जीता।*
- *2022 एशियन पैरा गेम्स में भी स्वर्ण पदक हासिल किया।*

80 मीटर का लक्ष्य

विश्व रिकॉर्ड बनाने के बाद सुमित का अगला लक्ष्य 80 मीटर की दूरी पार करना है। उनका मौजूदा प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि वे आने वाले समय में और बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

एफ64 श्रेणी क्या है?

एफ64 श्रेणी उन पैरा एथलीटों के लिए होती है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है। इस वर्ग में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जो कृत्रिम पैर के सहारे प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है।

हादसे के बाद बदली जिंदगी

साल 2015 में एक मोटरसाइकिल दुर्घटना में सुमित अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था। हालांकि, कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत के दम पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा जैवलिन थ्रो खिलाड़ियों में जगह बनाई।

किकबाक्सिंग सुपर लीग से खिलाड़ियों को मिलेगा नया मंच, ओलिंपिक में शामिल करने की दिशा में प्रयास जारी

किकबाक्सिंग की शुरुआत 1960 के दशक में दो देशों के बीच प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में हुई थी, लेकिन आज यह दुनिया के सबसे तेजी से लोकप्रिय हो रहे मार्शल आर्ट्स खेलों में शामिल हो चुका है। भारत समेत कई देशों में इस खेल का रोमांच लगातार बढ़ रहा है। जापान की के-1 शैली और अमेरिका के फुल-कांटैक्ट फाइटिंग प्रारूप ने किकबाक्सिंग को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वर्तमान समय में विश्व किकबाक्सिंग संगठन संघ (वाको) से 129 से अधिक देश जुड़े हुए हैं और लाखों खिलाड़ी इसे पेशेवर करियर व फिटनेस के रूप में अपना रहे हैं।

जल्द केएसएल शुरू होगा – किकबाक्सिंग को ओलिंपिक खेलों में शामिल कराने की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं। भारत में इस खेल का संचालन करने वाली संस्था वाको इंडिया किकबाक्सिंग फेडरेशन देश में किकबाक्सिंग सुपर लीग (केएसएल) के जरिये इस खेल को बढ़ावा देना चाहता है। भारत में जल्द ही केएसएल को शुरू करने की तैयारी चल रही है। अभी इसकी आधिकारिक तिथि घोषित नहीं हुई है। वाको इंडिया किकबाक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने कहा कि केएसएल का मुख्य उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को एक बड़ा पेशेवर मंच उपलब्ध कराना है। हमारा सपना है कि देश का हर प्रतिभाशाली किकबाक्सिंग का स्टार बने। उसे वही सम्मान और पहचान मिले जो दूसरे बड़े खेलों के खिलाड़ियों को मिला है।

युवाओं के लिए मौका – केएसएल के जरिये देशभर के युवा और ग्रासरूट स्तर के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। जब भारतीय खिलाड़ी विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों के विरुद्ध मुकाबला करेंगे तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और खेल के प्रति आकर्षण भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को जितने अधिक प्रशिक्षण शिविर और प्रतियोगिताएं मिलेंगी, उनके प्रदर्शन में उतना ही सुधार आएगा। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर, इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबाक्सिंग कप और केएसएल जैसे आयोजन खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

किकबॉक्सिंग को पहचान दिलाना आसान नहीं था – उन्होंने कहा कि जब वर्ष 1998 में हरियाणा में किकबाक्सिंग की शुरुआत की गई थी, तब सबसे बड़ी चुनौती लोगों को इस नए खेल के प्रति जागरूक करना और उनका भरोसा जीतना था। फुटबॉल, हॉकी और बैडमिंटन जैसे खेल पहले से स्थापित थे और उनका ढांचा काफी मजबूत था, लेकिन एक नए खेल को पहचान दिलाना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि उस समय बच्चों और अभिभावकों को यह समझाना जरूरी था कि किकबाक्सिंग केवल मुकाबले का खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य बनाने का माध्यम भी है।

नॉर्वे चेस : प्रग्गनानंदा ने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को हराया

नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के राउंड तीन में एक और रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारतीय स्टार खिलाड़ी प्रग्गनानंदा रमेशबाबू ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लासिकल चेस में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया। प्रग्गनानंदा ने धीरे-धीरे एक लंबे गेम में कार्लसन को पीछे छोड़ दिया और ज्यादातर समय तक कंट्रोल में दिखे। हालांकि, समय की भारी कमी के कारण मैच का रुख बदल गया और कार्लसन ने इसका फायदा उठाते हुए बढ़त हासिल कर ली। कुछ देर बाद, नॉर्वे के स्टार ने दबाव में आकर एक बड़ी गलती कर दी, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोमराजू और टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरौजा ने एक तनावपूर्ण मुकाबले के बाद एक कड़ा क्लासिकल ड्रॉ खेला। फिरौजा ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल की और अतिरिक्त पॉइंट हासिल किए और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत शुरुआत बनाए रखी।विन्सेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच बचा हुआ क्लासिकल गेम भी एक संतुलित संघर्ष के बाद ड्रॉ पर खत्म हुआ। वेस्ली सो ने अतिरिक्त

पॉइंट्स इकट्ठा करके आर्मागेडन गेम को अपने नाम कर लिया। तीसरे राउंड के बाद, फिरोजा एक और शानदार प्रदर्शन के बाद तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई हैं।

नॉर्वे चेस विमेंस में एक बार फिर करीबी मुकाबले देखने को मिले। तीन क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए और फिर मैच के नतीजे का फैसला आर्मागेडन से हुआ। मौजूदा विमेंस वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन और झू जिनर ने एक तनावपूर्ण मुकाबला खेला जो आखिर में ड्रॉ पर खत्म हुआ। झू जिनर ने एक समय अच्छी बढ़त बनाई हुई थी, लेकिन वह इसे जीत में नहीं बदल पाईं। झू ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल करके अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए। एना मुजीचुक और हंपी कोनेरू ने भी एक संतुलित संघर्ष के बाद अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म किया। मुजीचुक ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल करके अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए। क्लासिकल चेस में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही और अंत में खेल ड्रॉ पर खत्म हुआ।

इसके बाद आर्मागेडन टाईब्रेकर खेला गया, जहां दिव्या ने आर्मागेडन गेम जीतकर अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए। तीसरे राउंड के बाद, दिव्या और झू जिनर ने आर्मागेडन में अहम जीत हासिल करके अंतर को थोड़ा कम किया। इसके बावजूद अस्सौबायेवा नॉर्वे चेस विमेंस में अभी भी बढ़त बनाए हुए हैं।

केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में पंजाब में भाजपा होगी और मजबूत : रमन पब्बी

जालंधर 28 मई (शैली अल्बर्ट) भारतीय जनता पार्टी जालंधर के पूर्व जिला अध्यक्ष रमन पब्बी ने केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रमन पब्बी ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी और जनप्रिय नेता हैं, जिनके नेतृत्व में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं में उनके नेतृत्व को लेकर भारी उत्साह है और पार्टी आने वाले समय में प्रदेश में और अधिक मजबूती के साथ उभरेगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भाजपा पंजाब में विकास, जनसेवा और संगठन विस्तार के नए आयाम स्थापित करेगी तथा पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ेगा।

केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में 2027 में भाजपा जीत का परचम लहराएगी : शीतल अंगूराल

जालंधर 28 मई (शैली अल्बर्ट) वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक शीतल अंगूराल ने श्री केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शीतल अंगूराल ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक मेहनती, जुझारू और अनुभवी नेता हैं, जिनके नेतृत्व में पंजाब भाजपा संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब में जीत का परचम लहराएगी और प्रदेश में विकास व जनहित की राजनीति को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सुशील शर्मा ने दी बधाई

» प्रथम न्यूज । जालंधर
28 मई (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी जालंधर (शहरी) के जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी पंजाब का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सुशील शर्मा ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भाजपा पंजाब में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से पंजाब में भाजपा को व्यापक जनसमर्थन मिलेगा और कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा होगा। सुशील शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में पूरी मेहनत और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे।

केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति से पंजाब भाजपा को मिलेगी नई दिशा : तिलक राज शर्मा

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
28 मई (साहिब दयाल)

भाजपा के जिला स्पोक्सपर्सन तिलक राज शर्मा ने केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब का नया प्रधान बनाए जाने पर खुशी जताते हुए इसे पार्टी के लिए ऐतिहासिक फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पहली बार भाजपा ने पंजाब में एक मजबूत सिख चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, जिससे पार्टी को राज्य में नई दिशा और नई पहचान मिलेगी। तिलक राज शर्मा ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी, संघर्षशील और जमीन से जुड़े नेता हैं, जिन्होंने लंबे समय तक लोगों के बीच रहकर काम किया है। राजनीति और संगठन दोनों में उनका व्यापक अनुभव पार्टी के लिए बेहद लाभदायक साबित होगा। उन्होंने

कहा कि भाजपा हाईकमान ने पंजाब की भावनाओं और यहां के सामाजिक ढांचे को समझते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब एक धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य है, जहां सिख समुदाय की अहम भूमिका है। ऐसे में केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाना भाजपा की सकारात्मक सोच और सबको साथ लेकर चलने की नीति को दर्शाता है। इससे सिख समाज में भी एक अच्छा संदेश जाएगा और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। तिलक राज शर्मा ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भाजपा पंजाब में संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करेगी तथा युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम लोगों के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भाजपा पंजाब में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगी। उन्होंने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों के प्रदेश अध्यक्ष बनने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी नया जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में भाजपा गांव-गांव और शहर-शहर तक अपनी पकड़ मजबूत करेगी। तिलक राज शर्मा ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका कार्यकाल पंजाब भाजपा के लिए नए अध्याय की शुरुआत साबित होगा। इस मौके पर कुलदीप सिंह और नरेश कुमार मौजूद थे।

शिवेंद्र पाल कुटलैहड़ ने अपनी पत्नी अम्बा पाल व गांव वासियों के साथ रायपुर मैदान में किया मतदान।

राकेश राठौर ने केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दी शुभकामनाए

» प्रथम न्यूज । जालंधर
28 मई (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब के प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राकेश राठौर ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी, कर्मठ एवं जनप्रिय नेता हैं, जिनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पंजाब में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी और अधिक व्यापक स्तर पर जनता से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता आज भाजपा की राष्ट्रवादी नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जता रही है तथा आने वाले समय में भाजपा पंजाब में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरेगी।

राठौर ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा होगा और संगठन बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पंजाब में विकास, सुशासन और जनहित की राजनीति को घर-घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राकेश राठौर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देशहित और जनकल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पंजाब के लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में भी नया नेतृत्व अहम भूमिका निभाएगा।

अंत में राकेश राठौर ने एक बार फिर केवल सिंह ढिल्लों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में पंजाब भाजपा संगठन होगा और मजबूत : राजेश कपूर

» प्रथम न्यूज । जालंधर
28 मई (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री राजेश कपूर ने श्री केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राजेश कपूर ने कहा

कि केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी, कर्मठ और जमीनी नेता हैं, जिनके नेतृत्व में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं में उनके नेतृत्व को लेकर भारी उत्साह है और आने वाले समय में पार्टी प्रदेश में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

राजेश कपूर ने विश्वास जताया कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भाजपा पंजाब में जनहित और विकास की राजनीति को मजबूती से आगे बढ़ाएगी तथा पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ेगा।

पंजाब में भाजपा को नई मजबूती केवल ढिल्लो : अशोक सरीन हिकी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
28 मई (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी जालंधर के जिला महामंत्री अशोक सरीन हिकी ने केवल सिंह ढिल्लों को भारतीय जनता पार्टी पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अशोक सरीन हिकी

ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक अनुभवी और मेहनती नेता हैं तथा उनके नेतृत्व में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा संगठन गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचेगा तथा पार्टी की जनहितैषी नीतियों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी एकजुटता और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे और आने वाले समय में पंजाब में भाजपा एक मजबूत राजनीतिक विकल्प बनकर उभरेगी।

संक्षिप्त न्यूज

1 जून को लॉन्च होगी हरियाणा की नई औद्योगिक नीति

किसानों को भी मिलेगा फायदा : राव नरवीर

चंडीगढ़ (ब्यूरो)– राव नरवीर सिंह ने कहा कि इस नीति का लाभ केवल उद्योगपतियों को ही नहीं बल्कि उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध कराने वाले किसानों को भी मिलेगा। वह वीर सावरकर जयंती के अवसर पर वीर सावरकर उदयान में आयोजित अखंड भारत द्वार शिलान्यास कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

रेवाड़ी जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता से अपना नाम हटाए जाने पर उन्होंने कहा कि यह फैसला राजनीतिक कारणों से लिया गया। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। गौरतलब है कि पहले इस समिति की अध्यक्षता के लिए उनका नाम घोषित किया गया था, लेकिन बाद में जिम्मेदारी रणबीर गंगवार को सौंप दी गई।

केंद्रीय मंत्री राव इंदरजीत सिंह के गुरुग्राम को भूमाफियाओं द्वारा निचोड़े जाने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राव नरवीर सिंह ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद गुरुग्राम का व्यापक विकास हुआ है।

बावल और धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्रों में हाल की आगजनी घटनाओं पर मंत्री ने कहा कि जिन इंडस्ट्रियल एरिया में फायर स्टेशन नहीं हैं, वहां जल्द नए फायर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर राव नरवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ाया है और देश की विदेश नीति को नई पहचान दी है।

नूंह में आंधी-तूफान का तांडव

आसमानी आफत ने छीनी दो मासूमों की जिंदगी

नूंह (ब्यूरो) जिले में गुरुवार शाम को तेज आंधी और गरज–चमक वाले मौसम ने कहर बरपाया। दो अलग–अलग गांवों में दीवारें गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे घायल हो गए।

चंदेनी गांव में घर की दीवार गिरने से 9 वर्षीय छात्र अनशेद की मौत हो गई। चौथी कक्षा पढ़ने वाला अनशेद आंधी के समय घर के पास दीवार के समीप खेल रहा था। अचानक दीवार ढह गई और वह उसके नीचे दब गया। उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

टपकन गांव में स्कूल की दीवार गिरने से चार बच्चे मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे घायल अवस्था में निकाले गए। घायल बच्चों को इलाज के लिए नूंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान 15 वर्षीय मोहम्मद अयान बताई जा रही है। प्रशासन ने दोनों घटनाओं पर दुख जताया है। तेज आंधी और बारिश के कारण नूंह जिले के कई इलाकों में पेड़ उखड़ने और दीवारें गिरने की खबरें भी सामने आई हैं। मौसम विभाग ने क्षेत्र में अगले कुछ घंटों तक सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

पाकिस्तान कनेक्शन में उत्तराखंड की महिला गिरफ्तार!

करोड़ों के संदिग्ध ट्रांजेक्शन से मचा हड़कंप

» प्रथम न्यूज । रुड़की/हरिद्वार
28 मई (ब्यूरो)

उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के पिरान कलियर क्षेत्र में बुधवार तड़के जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवती को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। युवती पर पाकिस्तान के जरिए करोड़ों रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन में शामिल होने का आरोप है।

जानकारी के मुताबिक जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले के लखनपुर क्षेत्र में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपी ने पिरान कलियर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आसफनगर निवासी युवती का नाम बताया। इसके बाद जम्मू–कश्मीर पुलिस ने स्थानीय पुलिस से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की।

दो घंटे तक चली पहचान की प्रक्रिया

बताया जा रहा है कि जम्मू–कश्मीर पुलिस ने पिरान कलियर पुलिस के साथ मिलकर ग्राम आसफनगर में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस टीम को युवती की पहचान करने में करीब दो से ढाई घंटे का समय लगा। पहचान सुनिश्चित होने के बाद युवती सोनम को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

सूत्रों के अनुसार युवती पर पाकिस्तान के जरिए बड़े स्तर पर नकदी ट्रांजेक्शन में शामिल होने का शक है। हालांकि मौके से कोई नकदी बरामद नहीं हुई, लेकिन मामला करोड़ों रुपये के लेन–देन से जुड़ा बताया जा रहा है।

ट्रांजिट रिमांड पर साथ ले गई पुलिस

लंबी पूछताछ के बाद जम्मू–कश्मीर पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड हासिल कर युवती को अपने साथ ले गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और पूरे क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाकिस्तान के जरिए इतने बड़े स्तर पर कथित नकदी ट्रांजेक्शन की खबर से हर कोई हैरान है।

स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तारी की पुष्टि की

पिरान कलियर पुलिस के एसएचओ कमल मोहन भंडारी ने बताया कि मामला जम्मू-कश्मीर में दर्ज केस से संबंधित है। स्थानीय पुलिस ने जांच एजेंसी को आवश्यक सहयोग दिया है। उन्होंने युवती की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

हमीरपुर में पंचायत चुनाव का बहिष्कार

सड़क नहीं बनने पर 300 वोटरों ने नहीं डाला वोट

हमीरपुर (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव 2026 के दूसरे चरण के मतदान के बीच हमीरपुर जिले से बड़ा मामला सामने आया है। री पंचायत के कंगरी गांव वार्ड नंबर–1 के करीब 300 मतदाताओं ने मतदान का पूरी तरह बहिष्कार कर दिया।

सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होने के बावजूद मतदान केंद्र पर एक भी ग्रामीण वोट डालने नहीं पहुंचा। प्रशासन ने यहां सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए थे। मतदान केंद्र पर पुलिस बल और चुनाव अधिकारी पूरे समय मौजूद रहे, लेकिन वार्ड के कुल 288 मतदाताओं में से किसी ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा केवल आश्वासन दिए गए। सड़क की समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने विकास नहीं तो वोट नहीं का फैसला लेते हुए चुनाव का बहिष्कार किया। 100 प्रतिशत मतदान बहिष्कार की इस घटना ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है और मामला पूरे हमीरपुर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें बढ़ी

CBI की बड़ी कार्रवाई, सस्पेंड DIG भुल्लर के बैंक अकाउंट फ्रीज

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
28 मई (ब्यूरो)

चंडीगढ़ में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामले में फंसे पंजाब पुलिस के सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सीबीआई की विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आदेश दिया है कि जांच पूरी होने तक भुल्लर और उनके परिवार से जुड़े सभी बैंक खाते फ्रीज रहेंगे। अदालत के इस फैसले के बाद मामले में आर्थिक लेनदेन की जांच और तेज होने की संभावना है।

मामले के सह–आरोपी कृष्णु शारदा पर भी शिकंजा कसता जा रहा है। अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) के साथ–साथ प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भी इस मामले में जांच शुरू कर दी है। हाल ही में सीबीआई और ईडी की संयुक्त कार्रवाई के दौरान चंडीगढ़ स्थित भुल्लर के आवास समेत कुल 11 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। जांच एजेंसियों ने इस दौरान कई अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं।

अदालत ने प्रारंभिक जांच को दी मंजूरी – सूत्रों के मुताबिक, ईडी जल्द ही पंजाब के कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को पूछताछ के लिए नोटिस भेज सकती है। विशेष अदालत ने सीबीआई की प्रारंभिक जांच (पीई) से संबंधित अर्जी को भी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद अब मामले में आगे की कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

इससे पहले अदालत ने डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और सह–आरोपी कृष्णु शारदा की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अदालत के संज्ञान आदेश को चुनौती दी थी।

जांच एजेंसियों का दावा है कि उन्हें मामले से जुड़े कई नए और अहम सबूत मिले हैं, जिनके आधार पर अब कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से पूछताछ के दौरान पंजाब के 14 अधिकारियों के नाम सामने आए हैं। इनमें 10 आईपीएस और 4 आईएएस अधिकारी शामिल बताए जा रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया कि ये अधिकारी पटियाला के एक प्रॉपर्टी डीलर के जरिए प्रॉपर्टी में निवेश करते थे।

हरीपुर पंचायत तहसील देहरा हिमाचल प्रदेश चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, लगभग 70 प्रतिशत मतदान

» प्रथम न्यूज । कांगड़ा
28 मई (पुनीत महाजन)

हरीपुर पंचायत में आज पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। पंचायत के सभी सात वार्डों में मतदाताओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे दिन मतदान केंद्रों पर उत्साह का माहौल देखने को मिला।

पंचायत में कुल 2376 मतदाता थे, जिनमें से 1747 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार लगभग 70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मतदान प्रक्रिया सुबह से लेकर शाम 5~30 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से चली। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की लड़ाई–झगड़े या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली तथा लोगों ने आपसी भाईचारे और प्रेमपूर्वक मतदान किया।

वार्डवार मतदान इस प्रकार रहा–

वार्ड नंबर 1 में 290 वोट,
वार्ड नंबर 2 में 185 वोट,
वार्ड नंबर 3 में 319 वोट,
वार्ड नंबर 4 में 174 वोट,
वार्ड नंबर 5 में 359 वोट,
वार्ड नंबर 6 में 314 वोट तथा
वार्ड नंबर 7 में 106 वोट डाले गए।

प्रधान पद के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें प्रवीण कुमार फ्रपिंकाफ्र, पवन कुमार, अरविंद चौधरी फ्रवीराफ्र, शशि पाल तथा कमलजीत सिंह शामिल हैं। वहीं उपप्रधान पद के लिए छह उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, जिनमें जोगिंदर कुमार, संदीप कुमार, अभिषेक, विवेक कुमार, चेतन चौधरी और चैन सिंह शामिल हैं।

मतगणना प्रक्रिया शाम 6~30 बजे शुरू होने जा रही है तथा देर रात लगभग 10~30 बजे तक चुनाव परिणाम घोषित होने की संभावना है। पंचायत क्षेत्र के लोगों में चुनाव परिणामों को लेकर भारी उत्सुकता देखी जा रही है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कानपुर में सकुशल बकरीद, लाखों ने पढ़ी नमाज

» प्रथम न्यूज । कानपुर
28 मई (सुनील बाजपेई)

यहां गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद–उल–अजहा बकरीद का त्यौहार शांति और सद्भाव के साथ मनाया गया। इस मौके पर नमाजियों ने देश में खुशहाली, अमन चैन, सौहार्द व भाईचारे की दुआ की। नमाज पढ़ने के बाद गले मिलकर एक दूसरे को मुबारकबाद भी दी गई। इसी के साथ ही मुस्लिम इलाकों में कुर्बानियों का दौर भी शुरू हो गया। इस दौरान शहर में संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर तैनात पुलिस बल सीसी कैमरों से निगरानी भी करवाता रहा। फेथफुलगंज व सुजातगंज ईदगाहों में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी सामूहिक रूप से नमाज अदा की। नमाज के बाद देश में खुशहाली, अमन, सौहार्द व भाईचारे की दुआ की गई। नमाज के बाद जानवरों की कुर्बानी दी गई। नमाज के दौरान सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात रहा। सुबह से ईद–उल–अजहा की नमाज के लिए ही ईदगाहों व मस्जिदों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। दुआ के बाद एक दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी गई। इसी तरह से छोटी ईदगाह, ईदगाह उस्मानपुर, ईदगाह मछरिया, ईदगाह गद्दियाना सहित मस्जिदों में भी ईद–उल–अजहा की नमाज अदा की गई। अहले हदीस मसलक की ईदगाहों में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी सामूहिक रूप से नमाज अदा की। इसके लिए पीड़ितों के हित में कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में सफेदपोस माफिया अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही के मामले में अग्रणी पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल सभी तैयारियों के साथ आवश्यक आदेश निर्देश पहले ही दे चुके थे।

अवगत कराते चलें कि अपने अब तक के कार्यकाल में पड़ने वाले सभी त्योहारों की तरह इस बार की बकरीद भी सकुशल और शांति तरीके से संपन्न करने वाले तथा योगी सरकार और और डीजीपी राजीव कृष्ण की मंशा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की सहायता में भी अव्वल अपराधियों के खिलाफ जनहित में अनेक उपलब्धियों के विरले धारक कानपुर के जुझारू और स्वाभिमानी स्वभाव के वरिष्ठ आई पी एस पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल की कर्तव्य के प्रति पूर्ण निष्ठा, उनकी निष्पक्षता, उनकी पारदर्शिता, उनकी ईमानदारी, उनकी अभूतपूर्व नेतृत्व क्षमता, उनकी अदम्य साहस वाली कर्मठता, उनकी निडरता और उनकी कठोर परिश्रम शीलता लोकहित के मामले में सदैव कल्याणकारी ही साबित हुई है।

नेरवा दौरे पर घिरी सरकार, भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

मुख्यमंत्री सुक्खू की घोषणाओं पर भाजपा का हमला, आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

» प्रथम न्यूज । शिमला
28 मई (बी शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज चुनावों के बीच राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। भाजपा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेरवा दौरे को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद सार्वजनिक मंच से नई वित्तीय घोषणाएं कर चुनाव नियमों का उल्लंघन किया है।

भाजपा के मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को भेजे शिकायत पत्र में कहा कि 27 मई को नेरवा दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नेरवा के लिए करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से नए भवन निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा विद्यालय से जुड़े अन्य विकास कार्यों और सुविधाओं के आश्वासन भी दिए गए।

भाजपा ने इसे चुनाव आचार संहिता की भावना के विपरीत बताते हुए कहा कि चुनाव के दौरान इस प्रकार की वित्तीय घोषणाएं मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास मानी जा सकती हैं। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से मामले की निष्पक्ष जांच करवाने और नियमों के उल्लंघन पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

वहीं, इस मुद्दे पर अभी तक सरकार या मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

139 वर्षों बाद फिर जागा राष्ट्रीय कायस्थ एकता का स्वर्णिम अभियान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
28 मई (ब्यूरो)

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप श्रीवास्तव (आईआरएस) के नेतृत्व में समाज को मिली नई दिशा, युवा शक्ति से लेकर स्वास्थ्य, पर्यावरण और रोजगार तक ऐतिहासिक योजनाओं की सौगात

देश के सबसे प्राचीन और गौरवशाली सामाजिक संगठनों में शामिल अखिल भारतीय कायस्थ महासभा आज एक नए स्वर्णिम दौर की ओर अग्रसर दिखाई दे रही है। पंजीयन क्रमांक 5680 / 80 – 81 अपने स्थापना वर्ष 1887 के लगभग 139 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कायस्थ समाज की राष्ट्रीय एकता, सामाजिक उत्थान और संगठित भविष्य को लेकर जिस प्रकार व्यापक और दूरदर्शी पहल देखने को मिल रही है, उसने पूरे समाज में नई ऊर्जा और आशा का संचार कर दिया है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश नारायण सारंग के बाद अब वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप श्रीवास्तव (आईआरएस) के नेतृत्व में महासभा समाज को आधुनिक सोच, संगठनात्मक मजबूती और राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के एनसीआर क्षेत्र की महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप श्रीवास्तव आईआरएस ने समाज हित में कई ऐतिहासिक और दूरगामी निर्णयों की घोषणा की। इन योजनाओं को केवल सामाजिक कार्यक्रम नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य निर्माण का मजबूत आधार माना जा रहा है।

के-कार्ड बनेगा कायस्थ एकता और पहचान का नया प्रतीक

बैठक में सबसे अधिक चर्चा का विषय रहा के–कार्ड अर्थात कायस्थ कार्ड अभियान। यह कार्ड केवल पहचान पत्र नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा, सहयोग और एकता का प्रतीक बनने जा रहा है। महासभा की योजना के अनुसार कार्ड धारकों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सहयोग, आपातकालीन सहायता और विभिन्न संस्थागत सुविधाओं से जोड़ा जाएगा।

समाज के वरिष्ठजनों का मानना है कि यह पहल आने वाले समय में कायस्थ समाज को संगठित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

एक पेड़ भगवान श्री चित्रगुप्त के नाम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए एक पेड़ भगवान श्री चित्रगुप्त के नाम अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति और संस्कृति के साथ जोड़ना है।

देशभर में हजारों पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके। महासभा के कार्यकर्ता इसे जनआंदोलन का रूप देने में जुटे हुए हैं।

युवा जोड़ो अभियान से समाज की नई शक्ति तैयार

महासभा द्वारा चलाया जा रहा युवा जोड़ो अभियान तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को एक मंच पर ला रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को केवल संगठन से जोड़ना नहीं बल्कि उन्हें नेतृत्व, शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए प्रेरित करना है।

डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने कहा कि समाज का भविष्य युवाओं के हाथ में है और यदि युवा संगठित, शिक्षित और जागरूक होंगे तो समाज को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर मार्गदर्शन के लिए विशेष पहल

महासभा द्वारा युवाओं के लिए आईएएस अधिकारियों और विशेषज्ञों के माध्यम से ऑनलाइन मार्गदर्शन, वेब पोर्टल और कैरियर परामर्श योजनाएं भी प्रारंभ की जा रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को निशुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की योजना को समाज में अत्यंत सराहना मिल रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नई उम्मीद साबित होगी।

जरूरतमंद परिवारों के लिए सहायता अभियान

महासभा सामाजिक सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने के लिए भी विशेष अभियान चला रही है। शिक्षा सहायता, चिकित्सा सहयोग, आपदा राहत और सामाजिक सहयोग जैसे अनेक कार्यों को गति दी जा रही है।

समाज के विभिन्न राज्यों से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस मिशन को सेवा और संस्कार का अभियान मानकर कार्य कर रहे हैं।

सामाजिक एकता और राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर बढ़ता कायस्थ समाज

कायस्थ समाज सदैव शिक्षा, प्रशासन, साहित्य, पत्रकारिता, कला और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। आज आवश्यकता है कि समाज अपनी बौद्धिक शक्ति और संगठनात्मक क्षमता को एकजुट कर नई पीढ़ी को मजबूत दिशा दे।

डॉ. अनूप श्रीवास्तव के नेतृत्व में चल रहे इन अभियानों ने समाज में यह विश्वास पैदा किया है कि यदि इसी प्रकार एकता, सेवा और संगठन की भावना बनी रही तो आने वाले समय में कायस्थ समाज राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

समाज के अनेक वरिष्ठजनों ने इसे कायस्थ नवजागरण की संज्ञा देते हुए कहा कि वर्षों बाद महासभा के माध्यम से समाज में ऐसा सकारात्मक वातावरण दिखाई दे रहा है, जहां युवा, वरिष्ठ, महिलाएं और बुद्धिजीवी एक साझा उद्देश्य के लिए एक मंच पर आते दिखाई दे रहे हैं।

निस्संदेह, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का यह नया अभियान केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण, सेवा और राष्ट्रीय एकता के माध्यम से पूरे समाज के उवल भविष्य की मजबूत नींव रखने का प्रयास है।